राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 282 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरुवार ,15 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

राष्ट्रपति कोविंद ने अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती पर बुधवार को उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि दी। श्री कोविंद ने ट्वीट करके कहा, ÷भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी, बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि! डॉ आंबेडकर ने समतामूलक न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए आजीवन संघर्ष किया।÷ उन्होंने लिखा, ÷ आइए, आज हम उनके जीवन तथा विचारों से शिक्षा ग्रहण करके उनके आदर्शों को अपने आचरण में ढालने का संकल्प लें।

फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा को मिला फांस का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान

नई दिल्ली। ''द लंचबॉक्स'' और ''मसान'' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाने वाली निर्माता गुनीत मोंगा को फ्रांस का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान दिया गया है। फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां यवेस ला द्रिआन ने मंगलवार को दिल्ली स्थित फ्रांसीसी दूतावास में मोंगा को 'नाईट ऑफ द ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स' से सम्मानित किया। एक वक्तव्य में कहा गया कि मोंगा को फ्रांस के साथ मिलकर फिल्म निर्माण के जरिये विश्व सिनेमा में योगदान देने और महिला सशक्तिकरण के लिए अथक परिश्रम के वास्ते यह पुरस्कार दिया गया है। अपनी फिल्म निर्माण कंपनी 'सिख्या एंटरटेनमेंट' के माध्यम से मोंगा ने कई फिल्मों का निर्माण किया है। मोंगा ने कहा कि वह फ्रांस की फिल्मों की बड़ी प्रशंसक हैं और इसलिए यह सम्मान मिलना उनके लिए एक विशेष क्षण है।

दिल्ली में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात करेगा टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार दोपहर को दिल्ली में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात करेगा। पार्टी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में सांसद डेरेक ओ'ब्रायन, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल और शांतनु सेन शामिल हैं। सांसदों के दोपहर साढ़े तीन बजे निर्वाचन आयोग पहुंचने की संभावना है। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सोमवार को 24 घंटों के लिए चुनाव प्रचार से रोक दिया था जिसके बाद यह मुलाकात होगी। बनर्जी चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफमंगलवार को साढ़े तीन घंटे तक धरने पर बैठी थीं। निर्वाचन आयोग के फैसले के बाद टीएमसी ने उस पर ''भाजपा की शाखा'' की तरह बर्ताव करने का आरोप लगाया और कहा कि उसके फैसले से निरंकुशता की बू आती है।

बीएसपी मुखिया मायावती बोलीं-सभी गरीबों-जरूरमंदों को फ्री में लगे कोरोना वैक्सीन

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उनको नमन करने के साथ ही केंद्र सरकार के टीका उत्सव प्रयास को सराहा है। उन्होंने कहा कि अगर यह उत्सव देश के गरीब और जरूरत मंद लोगों को फ्री में वैक्सीन लगाने के रूप में मनाया जाता तो ज्यादा उचित होता। मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर कर जयंती 14 अप्रैल तक कोरोना वायरस की वैक्सीन लगाने को एक उत्सव के रूप में मनाने का जो विशेष अभियान चलाया है, वह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि अगर यह उत्सव देश के गरीब और जरूरत मंद लोगों को फ्री में वैक्सीन लगाने के रूप में मनाया जाता, तो ज्यादा उचित होता। उन्होंने कहा कि मैं बाबासाहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर केंद्र और सभी राज्य सरकारों से अनुरोध करती हूं कि वो आज पूरे देश में गरीब और जरूरत मंद लोगों को वैक्सीन मुफ्त में लगाने का निर्णय लें और इस बात का ऐलान भी करें। उन्होंने कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को लेकर कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों के साथ लोगों को भी इसे अति-गंभीरता से लेने की जरूरत है।

कोरोना के आगे बोर्ड भी फेल

CBSE 10वीं की परीक्षाएं रद्द, 12वीं की स्थगित का ऐलान

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर केंद्र सरकार ने अहम फैसला लिया है। सीबीएसई क्लास 10 के एग्जाम्स इस साल रद्द कर दिए गए हैं। जबकि कक्षा 12वीं की परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला लिया गया है। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बुधवार, 14 अप्रैल को शिक्षा मंत्रालय व सीबीएसई अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया है। देश में कोरोना महामारी से उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है। पहली बार ऐसा हो रहा है जब सीबीएसई ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा पूरी तरह रद्द कर दी है। अब सवाल है कि ऐसे में स्टूडेंट्स का रिजल्ट किस तरह तैयार किया जाएगा? पीएम मोदी की बैठक में इस पर भी चर्चा हुई। सरकार इस नतीजे पर पहुंची है कि इसके लिए सीबीएसई मापदंड निर्धारित करेगी। उसी के आधार पर इस साल सीबीएसई 10वीं के सभी स्टूडेंट्स का रिजल्ट बनेगा। बोर्ड द्वारा तय क्राइटीरिया से बने रिजल्ट से अगर कोई स्टूडेंट संतुष्ट नहीं होता है, तो उसे फिर से परीक्षा में बैठने का मौका दिया जाएगा। परिस्थितियां सामान्य होने के बाद सीबीएसई उस परीक्षा का आयोजन करेगा।

सीबीएसई बोर्ड ने भी इस संबंध में नोटिस जारी कर दिया है। बोर्ड ने कहा है कि 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 04 मई से 14 जून 2021 तक होनी थीं। लेकिन इन्हें स्थगित कर दिया गया है।

> शिक्षा मंत्री के साथ बैठक में प्रधानमंत्री ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है। निर्णय के अनुसार दसवीं बोर्ड परीक्षाओं को रद्द और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है। 1 जून को कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए बोर्ड द्वारा नया शेड्यूल तैयार किया जाएगा।

- सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2021 पर केंद्र सरकार का बड़ा फैसला
- रद्द हुईं 10वीं की परीक्षाएं 12वीं के बोर्ड एग्जाम्स 01 जून तक स्थगित
- प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्रालय व सीबीएसई अधिकारियों की बैठक में हुआ निर्णय

ऑनलाइन एग्जाम का विकल्प नहीं

शिक्षा मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि शॉर्ट नोटिस पर 12वीं के ऑनलाइन एग्जाम संभव नहीं है। इतनी जल्दी छात्र अपने आपको ऑनलाइन पैटर्न के लिए कैसे तैयार करेंगे? ऐसे में एग्जाम ऑनलाइन करवाना और इन्हें कैंसल करने जैसे विकल्प संभव नहीं।

12वीं के छात्रों के लिए

- 4 मई से 14 जून तक चलने वाली 12वीं बोर्ड की परीक्षा अभी टाली गई है। ये परीक्षा इसके बाद होगी। बोर्ड 1 जून को हालात की समीक्षा करेगा। तब फैसला किया जाएगा।
- अगर परीक्षा होती है तो कम से कम 15 दिन पहले छात्रों को इसके बारे में बताया जाएगा।

10वीं के छात्रों के लिए

- इनकी भी परीक्षा 4 मई से 14 जून तक होनी थीं। ये रद्द यानी कैंसिल कर दी गई हैं। यानी इस साल इनकी परीक्षा नहीं होंगी। सभी स्टूडेंट्स अगली क्लास में प्रमोट किए जाएंगे, लेकिन रिजल्ट के साथ। इस रिजल्ट का आधार क्या होगा, CBSE इसे तय करेगा।
- अगर कोई छात्र बोर्ड की ओर से दिए गए मार्क्स से संतुष्ट नहीं होगा तो वो परीक्षा में शामिल हो सकता है, लेकिन ये परीक्षा तब होगी, जब इसके लिए देश में हालात सामान्य होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अत्याधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप: मोदी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ना सिर्फ अत्याधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप है बल्कि यह जितनी व्यवहारिक है, इसका क्रियान्वयन भी उतना ही व्यवहारिक है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की 95वीं वार्षिक बैठक और कुलपतियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों के समान अधिकार से ही समाज में समरसता आती है और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा, ''डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा के भारतीय चरित्र पर जोर देते थे। आज के वैश्विक परिदृश्य में यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अत्याधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं। मोदी ने कहा कि डॉ राधाकृष्णन ने शिक्षा के विभिन्न पहलुओं की बात की थी और वही इस शिक्षा नीति के मूल में दिखता है। उन्होंने कहा, ''मैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर लगातार विशेषज्ञों से चर्चा करता रहा हूं। यह जितनी व्यवहारिक है, इसका क्रियान्वयन भी उतना ही व्यवहारिक है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि हर छात्र की अपनी एक सामर्थ्य होती है और शिक्षक जब उसकी आंतरिक क्षमता के साथ संस्थागत क्षमता दे दे तो उनका (छात्रों का) विकास व्यापक हो जाता है। उन्होंने कहा, ''इससे हमारे युवा वह कर सकते हैं, जो वह करना चाहते हैं। इसलिए देश का खास जोर कौशल विकास पर है।

अस्पतालों की बजाय श्मशान की क्षमता बढ़ा रही है योगी सरकार–प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि यूपी सरकार न केवल आंकड़ों के साथ बल्कि लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है. बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए, प्रियंका ने कहा कि राज्य में स्थिति %विस्फोटक% हो गई है. उन्होंने कहा कि सरकार अमानवीय तरीके से व्यवहार कर रही है और अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने के बजाय, वह श्मशान की क्षमता बढ़ा रही है. प्रियंका गांधी ने कहा कि यह विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस का कर्तव्य है कि वह लोगों की लड़ाई लड़े और जो भी हो सके, उनकी मदद करे. बैठक में पार्टी के सभी मंडल प्रमुख, पूर्व सांसद, विधायक और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे. प्रियंका अपने पति रॉबर्ट वाड्रा के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद वर्तमान में होम आइसोलेशन में हैं. बता दें कि उत्तर प्रदेश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. यूपी में बीते 24 घंटों में कोरोना के 20,510 नए मामले सामने आए हैं. उत्तर प्रदेश अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या 1,11,835 हो गई है.

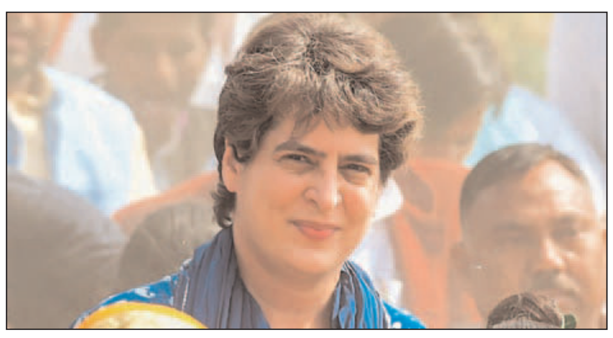

कोरोना संक्रमित हुए योगी

योगी आदित्यनाथ भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं. सीएम योगी ने खुद ट्वीट कर ये जानकारी दी है. उन्होंने कहा कि शुरुआती लक्षण दिखने पर मैंने कोविड की जांच कराई और मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. मैं सेल्फ आइसोलेशन में हूं और चिकित्सकों के परामर्श का पूर्णतः पालन कर रहा हूं. सभी कार्य वर्चुअली संपादित कर रहा हूं योगी ने ट्विटर पर आगे लिखा, प्रदेश सरकार की सभी गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं.

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज की 95 वीं वार्षिक बैठक और कुलपति के राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए।

कूच बिहार हिंसा के दोषियों को सजा दिलाने के लिए जांच शुरू करेगी बंगाल सरकार : ममता बनर्जी

माथाभांगा (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के दौरान सीआईएसएफ की गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से बुधवार को मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि इसके लिए जिम्मेदार रहे लोगों को सजा दिलाई जाएगी। ममता ने इस बात पर खेद जताया कि कूच बिहार में नेताओं के प्रवेश पर लगाए गए 72 घंटों के प्रतिबंध के चलते वह मृतकों के परिजनों से पहले नहीं मिल पाईं। गौरतलब है कि कूच बिहार में सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा कथित तौर पर आत्मरक्षा के लिए चलाई गई गोली में चार लोगों की मौत हो गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारी जांच में इस निर्मम हत्या के लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति का पता लगाया जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिले।÷ उन्होंने कहा कि वह पहली बार वोट देने जा रहे 18 साल के आनंद बर्मन के परिवार के लिए भी न्याय सुनिश्चित करेंगी, जिसकी इसी जिले में मतदान केंद्र के बाहर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने गोलीबारी में मारे गए चारों लोगों के परिवारों के साथ ही बर्मन के दादा और मामा सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बातचीत की।

> पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के दौरान सीआईएसएफ की गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से बुधवार को मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि इसके लिए जिम्मेदार रहे लोगों को सजा दिलाई जाएगी।

'आग लगा रही है बीजेपी, तो ममता खेल रही हैं खेल'

गोलपोखर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उत्तर बंगाल के नक्सबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में गोलपोखर से बंगाल में चुनाव प्रचार की शुरुआत की और बीजेपी और ममता बनर्जी पर जमकर बरसे. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी बंगाल में आग लगा रही है, तो ममता जी खेल खेल रही हैं. राज्य का कोई विकास नहीं हुआ है. हमने बीजेपी के साथ कभी समझौता नहीं किया है. हमारी आरएसएस से विचारधार की लड़ाई है. उनकी विचारधारा ने गांधी जी की हत्या की है. उस विचारधारा के खिलाफ खड़े रहेंगे. मर जाएंगे, लेकिन नहीं हटेंगे. मोदी जी ने कांग्रेस मुक्त भारत बात कही है, तृणमूल मुक्त नहीं. राहुल गांधी ने कहा कि यह पहला प्रदेश है, जहां रोजगार लेने के लिए कट मनी देनी होती है. ममता जी कहती हैं कि चुनाव के समय खेल होंगे. कैसा खेल.. यहां का सड़क कौन बनाएगा? खेल खिलाना है, तो सड़क पर खलेंगे ना. यहां कॉलेज-यूनिवर्सिटी कौन बनाएगा? खेल खेलना है, तो मैदान में खेलेंगे. ड्रामा चल रहा है. राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु और असम में जब मैंने लोगों से पूछा कि आपको क्या लगता है? उन्होंने हमें बताया है कि पहली बार ऐसा लग रहा है कि हमारे इतिहास पर, भाषा पर आक्रमण हो रहा है. जो विचारधारा बीजेपी बंगाल में फैलाने की कोशिश कर रही है.

राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल का पहला दौरा

पश्चिम बंगाल में इस बार के विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी का यह पहला दौरा है. इससे पहले उन्होंने असम, केरल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए कई सभाएं, रोड शो और जनसंपर्क कार्यक्रम किए थे. बता दें कि बंगाल में अभी कांग्रेस की पकड़ उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद जैसे कुछ ही जिलों में है और इन इलाकों में आखिरी तीन चरणों में वोटिंग होनी है.

नई तकनीक : सरकार ने किया माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता

देश में खेती होगी हाईटेक

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। फसलोपरांत प्रबंधन एवं वितरण सहित स्मार्ट एवं सुव्यवस्थित कृषि के लिए किसान इंटरफेस विकसित करने के लिए छह राज्यों के 10 जिलों में चयनित 100 गांवों में पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए माइक्रोसाफ्ट आगे आया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति में इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश , गुजरात , हरियाणा , राजस्थान और आंध्र प्रदेश के चुने हुए गांवों में पायलट प्रोजेक्ट शुरु किए जायेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए माइक्रोसॉफ्ट अपने स्थानीय भागीदार, क्रॉपडेटा के साथ शामिल हुआ है। इस संबंध में श्री तोमर और दोनों राज्य मंत्रियों की मौजूदगी में एमओयू व त्रिपक्षीय विलेख का आदान-प्रदान किया गया। प्रोजेक्ट एक वर्ष के लिए है और एमओयू करने वाले दोनों पक्षकार अपनी स्वयं की लागत से इसका वहन करेंगे। इस प्रोजेक्ट से चयनित 100 गांवों में किसानों की बेहतरी के लिए विविध कार्य होंगे, जो उनकी आय बढ़ाएंगे। ये प्रोजेक्ट किसानों की आदान लागत को कम करेगा तथा खेती में आसानी सुनिश्चित करेगा। देश में वाइब्रेंट डिजिटल कृषि पारिस्थितिक प्रणाली बनाने के लिए अन्य सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के साथ इसी प्रकार के पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का प्रस्ताव है। सरकार का उद्देश्य असंगत सूचना की समस्या दूर करके किसानों की आय में वृद्धि करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से कई नई पहल शुरू की गई हैं। इस संबंध में एक प्रमुख पहल राष्ट्रीय कृषक डेटाबेस पर आधारित कृषि-कोष बनाना है।

कांग्रेस ने अपना डिजिटल चौनल शुरू किया, 24 अप्रैल से आरंभ होगा प्रसारण

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कांग्रेस ने बुधवार को अपने डिजिटल चौनल 'आईएनसी टीवी' की शुरुआत की जिस पर कार्यक्रमों का औपचारिक रूप से प्रसारण 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आरंभ होगा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला और कुछ अन्य नेताओं की मौजूदगी में इस चौनल की शुरुआत की गई। सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''आज बाबा साहेब की जन्म जयंती भारत के संविधान और संवैधानिक अधिकारों का उत्सव है। बाबा साहेब की जयंती दासता, रूढ़िवादिता और अंधविश्वास के खिलाफ एक संपूर्ण क्रांति का भी उत्सव है। बाबा साहेब की जयंती बगैर किसी दबाव और प्रलोभन के अभिव्यक्ति की आजादी का भी उत्सव है।''

उन्होंने कहा, ''आज अंधविश्वास और अंधभक्ति के चौतरफा अंधेरे,विवेकहीनता और मानसिक गुलामी के वातावरण, एक अहंकारी शासक के जबरन थोपे जा रहे स्तुतिगान व व्यक्ति पूजा के माहौल और अभिव्यक्ति की आजादी को कंस की तरह बेड़ियों में जकड़ दिए जाने के युग में आईएनसी टीवी की शुरुआत की जा रही है।''

पाकिस्तान में साद की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा में पुलिसकर्मी की मौत, 800 भारतीय लाहौर में फंसे

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) प्रमुख साद रिजवी की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी है। शहरों में पुलिस और टीएलपी कार्यकताओं के बीच झड़पों की खबर है। इस दौरान हिंसा पर उतारू टीएलपी कार्यकताओं ने एक पुलिसकर्मी की पीट-पीट कर हत्या कर दी है, जबकि टीएलपी ने दावा किया है कि इस दौरान उसके 12 कार्यकर्ता मारे गए हैं। टीएलपी पिछले कई महीनों से फ्रांस के राजदूत को पाकिस्तान से निकालने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है।

टीएलपी मुखिया साद रिजवी को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद वहां हिंसा भड़क उठी। हिंसा में एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी गई है, जबकि टीएलपी ने अपने 12 कार्यकताओं के मारे जाने का दावा किया है। इस तनाव के बाद लाहौर में भारी सुरक्षाबल तैनात किए गए हैं। टीएलपी के कार्यकताओं ने भी सड़कें जाम कर रखी हैं। इस वजह से वहां 800 से ज्यादा भारतीय सिख फंस गए हैं।

12 अप्रैल को बैसाखी मनाने के लिए 815 सिखों का जत्था वाघा बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान पहुंचा था। ये पाक स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब के दर्शन करने के लिए गए हैं, लेकिन वो अब तक गुरुद्वारे नहीं पहुंच सके हैं। पाकिस्तान सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को 25 बसों से इन सिखों को गुरुद्वारा पंजा साहिब ले जाया जा रहा था, लेकिन हिंसा भड़कने की वजह से रोड ब्लॉक कर दी गई। इस वजह से सिख श्रद्धालु लाहौर में ही फंस गए हैं। हालांकि अब सिख श्रद्धालुओं को आगे जाने के लिए सिक्योरिटी क्लियरेंस दे दी गई है। ये अभी लाहौर में हैं जो पंजा साहिब तक एस्कोर्ट किए जाएंगे। इस मामले में भारतीय उच्चयोग लगातार पाक विदेश मंत्रालय और ईटीपीबी से संपर्क में था।

उल्लेखनीय है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले साल नवंबर में क्लास में पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाए जाने को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताया था। बाद में कार्टून दिखाने वाले टीचर की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद मैक्रों ने टीचर का समर्थन किया था। इसके बाद से ही पाकिस्तान में फ्रांस को लेकर नाराजगी है। तब से ही टीएलपी पार्टी फ्रांस के राजदूत को देश से निकालने की मांग कर रही है। नवंबर में ही पाकिस्तान सरकार और टीएलपी पार्टी के बीच एक समझौता हुआ था, जिसमें तय हुआ कि इस मसले को तीन महीने में संसद के जरिए सुलझाया जाएगा।

टीएलपी इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी है। टीएलपी ने फ्रांस के राजदूत को देश से निकालने और फ्रांस के साथ सारे रिश्ते खत्म करने के लिए 20 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया है। टीएलपी ने यह भी कहा था कि अगर ऐसा नहीं होता है, तो जमकर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, लेकिन उससे पहले ही मंगलवार को पुलिस ने टीएलपी के मुखिया अलामा साद हुसैन रिजवी को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद वहां हिंसा भड़क उठी।

लाहौर पुलिस ने बताया कि टीएलपी के कार्यकताओं ने एक पुलिसकर्मी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद साद रिजवी समेत टीएलपी के कई नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ हत्या और आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि लाहौर और पंजाब प्रांत के कई शहरों में पुलिस और टीएलपी कार्यकताओं के बीच टकराव भी हुआ। कराची में भी हिंसक झड़पें होने की खबरें हैं।

प्रधानमंत्री इमरान खान को जानकारी दे दी गई है। वहीं विज्ञान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि सरकार कट्टरपंथियों के सामने नहीं झुकेगी। चौधरी ने कहा ये सरकार कट्टर इस्लामियों के सामने नहीं झुकेगी। अगर आज सरकार उनके सामने झुक गई, तो कल को सभी अपनी मांगें मनवाने के लिए ऐसे ही सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।

वहीं, टीएलपी के प्रवक्ता तैयब रिजवी ने एक बयान जारी कर कहा है कि जब तक फ्रांस के राजदूत को देश से नहीं निकाला जाता, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। टीएलपी ने दावा किया है कि कराची, लाहौर और तालागैंग में उसके 12 कार्यकर्ता मारे गए हैं।

दिमागी बोझ को कम करने बीच पर क्लास

मर्सिया, (एजेंसी)। समुद्री किनारा, लहरों का शोर और मंद-मंद चल रही हवा के बीच चल रही क्लास। ये किसी फिल्म का नजारा नहीं बल्कि स्पेन का स्कूल है, जिसने बीच (समुद्री तट) पर क्लासेस लगानी शुरू की हैं। ताकि लंबे समय बाद स्कूल पहुंचे बच्चे खुली हवा में सांस ले सकें और दिमागी बोझ को खत्म कर सकें। स्पेन के मर्सिया स्थित निजी स्कूल ने फ्रेश एयर नाम की पहल शुरू की है। इसके तहत 3 से 12 साल तक के बच्चों की क्लासेस बीच पर लगाई जा रही हैं। यहां पढ़ाई के साथ-साथ, महामारी और उससे होने वाले नुकसान व फायदों के बारे में बताया जा रहा है। अंग्रेजी के शिक्षक जुआन फ्रांसिस्को मार्टिनेज ने बताया कि बीच किनारे पढे पर बच्चों को बहुत मजा आ रहा है। वे पढ़ाए गए पाठ को भी जल्दी सीख रहे हैं। समुद्री तट पर लगी क्लासेस में बच्चों को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बैठाया जा रहा है। 20 मिनट की क्लास के बाद नई-नई एक्टिविटी कराई जा रही हैं। मछलियां पकडा और जाल फेंकना भी सिखाया जा रहा है। बच्चों को लाइव क्लासेस दी जा रही हैं। कार्टून कैरेक्टर और कहानियों के माध्यम से उन्हें पढ़ाया जा रहा है। शिक्षकों का मानना है कि बच्चे कहानियों से जल्दी सीखते हैं। उन्हें पढ़ाने के लिए यह तरीका कारगर साबित हो रहा है।

दुनिया में लगातार 7वें हफ्ते मरीजों की संख्या में इजाफा

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। भारत, पाकिस्तान और ब्राजील समेत कई देश कोरोना की नई लहर से जूझ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 6.32 लाख नए केस सामने आए। 7,991 लोगों की मौत भी हुई। मौजूदा वक्त में भारत में कोरोना की लहर सबसे तेज है। यहां रोजाना 1.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। दुनिया की बात की जाए तो लगातार 7वें हफ्ते संक्रमितों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस ग्रेब्रेयेसस ने यह जानकारी देते हुए सोमवार को बताया कि लगातार चौथे हफ्ते में मौतें भी बढ़ी हैं। टेड्रोस ने कहा कि जनवरी और फरवरी में लगातार 6 हफ्ते केस कम हुए थे। अब स्थितियां बिल्कुल बदल गई हैं। एशिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों में हालात बिगड़ रहे हैं। वैक्सीनेशन ड्राइव के बावजूद नए केस बढ़ रहे हैं। इसे रोकने में वैक्सीन सबसे मजबूत हथियार है, लेकिन यह अकेला काफी नहीं है। मास्क पहनना, फिजिकल डिस्टेंस, सफाई, टेस्टिंग, ट्रेसिंग और आइसोलेशन न सिर्फ संक्रमण रोकते हैं, बल्कि जिंदगी भी बचाते हैं।

दुनिया में कोरोना का पीक 8 जनवरी को आया था। इस दिन सबसे ज्यादा 8.45 लाख मिले थे। इसके बाद 21 फरवरी को यह संख्या घटकर 3.22 लाख हो गई। यहां से केस बढा शुरू हुआ और 11 अप्रैल को करीब दोगुना बढ़कर 6.32 लाख हो गए। भारत एक बार फिर ब्राजील को पीछे छोड़कर दुनिया का दूसरा सबसे संक्रमित देश बन गया है। भारत में 1.35 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, ब्राजील में यह आंकड़ा 1.34 करोड़ है। अमेरिका 3.19 करोड़ संक्रमितों के साथ टॉप पर है। उधर, तुर्की में भी कोरोना अपना कहर बरपा रहा है। यहां पिछले 5 दिनों से 50 हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। रविवार को यहां 50,678 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई और 237 लोगों की मौत हुई। यहां अब तक 38.49 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 33,939 लोगों की मौत भी हुई है।

चीन-भारत ने लद्दाख से हटाए कुछ सैनिक, पर सीमा पर तनाव अब भी बरकरार

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के खुफिया समुदाय ने संसद से कहा कि इस साल बड़ी संख्या में सैनिकों को हटाए जाने के बाद भी चीन-भारत सीमा पर अभी तनाव बरकरार है। अमेरिकी खुफिया समुदाय ने अपनी रिपोर्ट में विस्तार से बताया है कि चीन अपनी बढ़ती ताकत के सहारे पड़ोसी देशों के विवादित क्षेत्रों पर अपने दावों को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने का दबाव बना रहा है।

राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय (ओडीएनआई) ने अमेरिकी संसद को दी अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि चीन विदेश में अपनी आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य मौजूदगी का विस्तार करने के लिए अरबों डॉलर के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का प्रचार करता रहेगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2013 में सत्ता में आने के बाद अरबों डॉलर की बीआरआई परियोजना शुरू की थी। इस परियोजना का मकसद दक्षिणपूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को जमीन तथा समुद्र मार्गों से जोड़ने का है।

रिपोर्ट में कहा गया है इस साल कुछ सैनिकों की वापसी के बावजूद चीन-भारत के बीच तनाव बना हुआ है। विवादित सीमा क्षेत्रों में मई 2020 से चीनी सेना की मौजूदगी, दशकों में अब तक की सबसे गंभीर तनावपूर्ण स्थिति है और इसके चलते 1975 के बाद से दोनों देशों के बीच सीमा पर पहली जानलेवा झड़प हुई। कहा गया है फरवरी तक कई दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने विवादित सीमा के कुछ इलाकों से सेनाओं तथा सैन्य उपकरणों को हटा लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अपनी बढ़ती ताकत को दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र तथा ताइवान पर संप्रभुत्ता के दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते सभी हथकंडे आजमाना चाहता है। चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से सैन्य और आर्थिक प्रभाव बढ़ा रहा है, जिससे क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

उसके दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर दोनों में गंभीर क्षेत्रीय विवाद हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ताइवान पर एकीकरण के लिए दबाव बढ़ाता रहेगा और अमेरिका-ताइवान के बीच बढ़ते रिश्तों की निंदा करता रहेगा। दरअसल, चीन ताइवान को एक बागी प्रांत की तरह देखता है जिसका एकीकरण होना चाहिए, चाहे इसके लिए उसे बलप्रयोग ही क्यों न करना पड़े। अमेरिकी खुफिया समुदाय ने कहा हमें उम्मीद है कि खींचतान बढ़ेगी, क्योंकि बीजिंग ने ताइपे को अंतरराष्ट्रीय तौर पर अलग-थलग और आर्थिक समृद्धि के लिए चीन पर निर्भर दिखाने की कोशिशें तेज कर दी हैं तथा वह इस द्वीप के आसपास सैन्य गतिविधि बढ़ा रहा है।

फेसबुक ने 25 देशों में अपने प्लेटफॉर्म के सियासी दुरुपयोग की छूट दी

लंदन, (एजेंसी)। डेटा लीक और जासूसी करने जैसे गंभीर आरोप का सामना कर रही फेसबुक अब सियासी हस्तक्षेप को लेकर कठघरे में आ गई है। अब उस पर यह आरोप लगा है कि उसने दुनियाभर में अपने प्लेटफॉर्म के जरिए सियासी हस्तक्षेप को न केवल बढ़ावा दिया बल्कि अपने प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें समर्थन भी दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक फेसबुक ने 25 से अधिक देशों में न सिर्फ नेताओं को अपने विरोधियों को परेशान करने के लिए बल्कि जनता को भी बरगलाने के लिए अपने प्लेटफार्म का दुरुपयोग करने की खुली छूट दी। गार्जियन ने इस बात का खुलासा फेसबुक की पूर्व डेटा साइंटिस्ट सोफी झांग के हवाले से किया, जिसे कंपनी ने सितंबर 2020 में खराब प्रदर्शन के बहाने निकाल दिया था।

झांग को जनवरी 2018 में फेक इंगेजमेंट को रोकने के लिए नियुक्त किया गया था। झांग ने बताया कि फेसबुक ने किस तरह अमेरिका या अन्य संपन्न देशों को प्रभावित करने के लिए गरीब, छोटे और गैर-पश्चिमी देशों को अपने प्लेटफार्म के दुरुपयोग की मंजूरी दी। कंपनी ने अमेरिका, ताइवान, दक्षिण कोरिया और पोलैंड जैसे देशों में राजनीतिक हस्तक्षेप करने वाले मुद्दों पर तत्परता दिखाई जबकि अफगानिस्तान, इराक और मंगोलिया या फिर मैक्सिको, लेटिन अमेरिका के देशों के मामलों में बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं किया।

ताइवान मामले से दूर रहे अमेरिका : चीन

बीजिंग, (एजेंसी)। ताइवान के एयरस्पेस में अपने 25 जेट फाइटर्स भेजने के बाद भी चीन गलती मानने को तैयार नहीं है। अब उसने अमेरिका को भी इस मामले से दूर रहने की वॉर्निंग दी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा-ताइवान हमेशा से चीन का हिस्सा रहा है। अगर अमेरिका इस मामले में दखल देने की कोशिश करेगा तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। अमेरिका आग से खेलने की कोशिश न करे। चीन का यह बयान साफ तौर पर अमेरिका को धमकी के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, अमेरिका ने ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन के लड़ाकू विमानों की उड़ान के बाद एक बड़ा फैसला किया। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने अमेरिकी और ताइवानी अफसरों की मुलाकातों पर लगे प्रतिबंध हटा लिए। इसके मायने ये हुए कि अब इन दोनों देशों के अफसर चीन के खिलाफ कोई भी रणनीति बना सकते हैं और इसके लिए बेरोकटोक मुलाकात भी कर सकते हैं।

मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा- अमेरिका अपने अफसरों को ताइवानी अधिकारियों से मिलने से रोके। ताइवान हमारा आंतरिक मामला है। अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ सकते हैं। हमारी सलाह है कि अमेरिका आग से खेलना बंद करे, अन्यथा इसके गंभीर परिणाम होंगे। चीन की एयरफोर्स के करीब 25 फाइटर जेट्स ने सोमवार दोपहर ताइवान के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरी। इस बार नई बात यह थी कि इन विमानों में कुछ ऐसे थे, जिन पर एटमी हथियार ले जाए जा सकते थे। इसके बाद ताइवान के विमानों ने भी उड़ान भरी। देर रात अमेरिका ने चीन की हरकत का विरोध करते हुए ताइवान के पक्ष में बयान दिया। कहा- अब अमेरिकी और ताइवानी अफसर किसी भी हमले के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए स्वतंत्र हैं। पुराने नियम हटाए जा रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में किसी के भी दबदबे को स्वीकार नहीं किया जा सकता। अमेरिका के इस रुख के बाद ही चीन चिढ़ गया।

1979 में चीन के साथ रिश्ते मजबूत करने के लिए अमेरिका ने एक नियम बनाया था। इसके तहत यह तय किया गया कि अमेरिका हर हाल में ताइवान के साथ डिप्लोमैटिक रिलेशन में दूरियां रखेगा। 2017 में ट्रम्प ने दक्षिण चीन सागर में चीन की चालों को देखते हुए इन प्रतिबंधों को अनौपचारिक तौर पर हटाना शुरू किया और ताइवान के साथ नए रिश्तों की शुरूआत की। अब बाइडेन ने इस नियम को एक तरह से खत्म ही कर दिया है। इसके मायने ये हुए कि अमेरिका अब ताइवान को हर मामले में मदद देने के लिए तैयार है। सैन्य मदद तो ट्रम्प के दौर में ही शुरू कर दी गई थी।

लॉकडाउन और महामारी में शराब पीने के आदी हो गए अमेरिकी

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। महामारी से जूझते ज्यादातर अमेरिकियों में इन दिनों शराब पीने की लत खासी बढ़ गई है। सबसे अहम बात ये है कि इससे प्रभावित सबसे ज्यादा महिलाएं और छोटे बच्चों के माता-पिता हैं। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जिनमें महामारी और खासकर लॉकडाउन के दौरान नौकरी, सेहत और अपने बच्चों की चिंता ने लोगों को शराब का आदी बना दिया। जो महिलाएं कभी कभार किसी खास मौके पर थोड़ी बहुत शराब का सेवन करती थीं, वे आज शराब की लत लग चुकी हैं। पूरे अमेरिका में हुए एक हालिया सर्वे में ये बात जाहिर हुई है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक संगठन द्वारा कराए गए सर्वे में फरवरी तक के आंकड़े बताते हैं कि हर 4 में से 1 अमेरिकी बीते सालों की तुलना में ज्यादा शराब पीने लगा है। वो भी सिर्फ तनाव कम करने के लिए। सबसे चौंकाने वाले आंकड़े 5 से 7 साल के बच्चों के माता-पिता के हैं, जिनके नंबर लगभग दोगुने हुए हैं। टेक्सास में शराब की लत छुड़ाने के लिए बने ड्रिफ्टवुड रिकवरी सेंटर (पुनर्वास केंद्र) में इन दिनों दो महीने की वेटिंग चल रही है। सेंटर में साइकोलॉजी यूनिट की डायरेक्टर वनेसा केनैडी के मुताबिक, सेंटर आने वालों में कई माता-पिता हैं जो लॉकडाउन के दौरान जॉब, परिवार और बच्चों की घर में पढ़ाई के बीच संतुलन बनाने के लिए शराब का सेवन करने लगे थे। जबकि पहले वे सारी जिम्मेदारियां बखूबी निभाते थे, लेकिन महामारी में हालात बदल गए हैं। उनके लिए कामकाज के बीच संतुलन बैठाना मुश्किल हो रहा था।, कुछ लोगों ने शराब की लत से उबरने का अनोखा तरीका भी निकाला है।

सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस ने की कोसोवो की विदेश मंत्री को बोलने से रोकने की कोशिश

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के उप राजदूत ने कोसोवो के प्रतिनिधि को अपने देश के झंडे के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बोलने से पहली बार रोकने की कोशिश की। रूस ने तर्क किया कि परिषद के ज्यादातर सदस्य देश सर्बिया से उसकी आजादी को मान्यता नहीं देते हैं। इसलिए कोसोवो के प्रतिनिधि को अपने देश के झंडे के साथ सुरक्षा परिषद में बोलने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के उप-राजदूत दिमित्रि पॉलिन्स्काई ने कोसोवो पर सुरक्षा परिषद की बैठक में उसके झंडे पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया जिसके चलते यह डिजिटल बैठक 45 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान परिषद के 15 सदस्यों ने निजी तौर पर इस मुद्दे पर चर्चा की।

पॉलिन्स्काई ने कहा कि सुरक्षा परिषद के 15 में से आठ सदस्य कोसोवो को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देते हैं, इसलिए कोसोवो की विदेश मंत्री दोनिका गवार्ला के पीछे देश का झंडा नहीं दिखाई देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रूस को उनके बोलने पर कोई आपत्ति नहीं है। ब्रिटेन के कानूनी सलाहकार चनाका विक्रमसिंघे ने कहा कि सुरक्षा परिषद की वीडियो कांफ्रेंस से होने वाली बैठकें औपचारिक बैठकें नहीं हैं और कोसोवा का झंडा पिछली बैठक के दौरान भी उसके प्रतिनिधि के पीछे लगा हुआ था। जब बैठक फिर से शुरू हुई तो सुरक्षा परिषद के मौजूदा अध्यक्ष वियतनाम के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डांग दिन्ह क्यू ने कहा कि डिजिटल बैठकों की पृष्ठभूमियों से परिषद की बैठकें बाधित नहीं होनी चाहिए और यह झंडा लगा रह सकता है।

गवार्ला संयुक्त राष्ट्र की बैठक में बोलने वाले तीन वक्ताओं में से एक थीं और जब उन्होंने परिषद को संबोधित किया तो कोसोवो का छह सफेद सितारों के साथ नीले रंग का ध्वज उनके पीछे लगा हुआ था।

उल्लेखनीय है कि कोसोवो ने अलगाववादी जातीय अल्बानियाई विद्रोही और सर्बिया की सेना के बीच 1998-1999 के बर्बर युद्ध के एक दशक बाद 2008 में सर्बिया से आजादी की घोषणा की। गत सितंबर तक संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से 98 ने कोसोवो को मान्यता दी। सर्बिया के साथ करीबी संबंध रखने वाले रूस और चीन उन देशों में शामिल हैं, जिन्होंने इसकी आजादी को मान्यता नहीं दी।

पाकिस्तान में एक दिन में रिकार्ड 135 कोरोना संक्रमित लोगों की मौत

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के दौरान एक दिन में रिकार्ड 135 लोगों की मौत हुई है। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। कोविड-19 महामारी से सबसे अधिक मौत 20 जून को हुई थी, जब 153 लोगों ने जान गंवाई थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोविड-19 के ब्रिटेन के स्वरूप वाली तीसरी लहर अधिक संक्रामक और खतरनाक है। इसके साथ ही देश में इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या 15,754 हो गई है। जबकि 4,216 कोरोना संक्रमित लोगों की हालत गंभीर है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 4,681 नए मामले आए हैं। इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 734,423 हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 3,645 लोगों के साथ ही 641,912 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में अब भी 75,758 मरीज उपचाराधीन हैं। अभी तक 10,878,086 नमूनों की जांच हो चुकी है। योजना मंत्री असद उमर ने कहा कि हर दिन 60 से 70 हजार टीके लगाए जा रहे हैं और हमारी कोशिश ईद के बाद इसे दो लाख तक बढ़ाने की है। असद, महामारी से निपटने के लिए बनाए नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर के भी प्रमुख हैं। उमर ने बताया देश में अभी तक नौ लाख टीके उपलब्ध हैं और अगर देश को पहले से तय प्रतिबद्धता के तहत टीके मिलते हैं, तो ईद के बाद सभी पाकिस्तानियों को टीके लगा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने लोगों के लिए टीके खरीदने के लिए 15 करोड़ डॉलर का बजट पारित किया है।

उइगरों के समर्थन में उतरा बाइडेन प्रशासन

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटोनी ब्लिंकेन ने उइगरों मुसलमान का एक बार फिर से समर्थन किया है। उनपर चीन की सरकार की तरफ से झिंजियांग इलाके में हुए और किए जा रहे अत्याचार और दमन की कार्रवाई की भी निंदा की है। इसके अलावा उन्होंने कहा है कि अमेरिका को इस मुद्दे पर दुनिया के बाकी देशों को भी एक साथ लाकर चीन की सरकार की निंदा करने की जरूरत है। यह बात ब्लिंकेन ने एक इंटरव्यू में कही है। साथ ही कहा कि इस मुद्दे पर पूरी दुनिया को एक साथ बोलने की जरूरत है। जो कुछ हुआ और किया जा रहा है, उसकी एक स्वर में निंदा करें। हमें इस पर ठोस कार्रवाई करने की आवश्यकता है। उदाहरण के तौर पर हमारी कोई भी कंपनी चीन को ऐसे उपकरण या हथियार उपलब्ध नहीं करा रही है, जिनका इस्तेमाल वह उइगरों पर दमन कार्रवाई करने के लिए कर सके। साथ ही हमें सुनिश्चित करना होगा कि वह सभी हितों के साथ काम कर रहे हैं। साथ ही यह तय करना होगा कि हमारे हितों और मूल्यों को बढ़ाने के प्रभावी तरीके क्या हैं। इसके अलावा शीर्ष स्तर के अमेरिकी राजनयिक ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट के एक दस्तावेज की प्रतिलिपि देते हुए कहा कि हमें चीन से निपटने के लिए सक्षम होना होगा। खासकर उन इलाकों में जहां उइगरों के हितों पर टकराव की स्थिति बनती है। हम मानव अधिकारों के उल्लंघन और नरसंहार के खिलाफ पूरी तरह से खड़े होते हैं।

साथ ही ब्लिंकेन ने अफगानिस्तान में होने वाली हिंसाओं पर भी अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी अफगानिस्तान में चाहे वो तालिबान, वहां कि सरकार या वहां लोग हों, जो नहीं चाहते कि उनका मुल्क फिर से किसी भी गृहयुद्ध का शिकार हो जाए। वहां पिछले 40 सालों से टकराव की स्थिति है। यदि उदाहरण के लिए मान भी लिया जाए कि अगर तालिबान दुनिया में मान्यता चाहता है। अंतरराष्ट्रीय समर्थन चाहता है। अगर वह अफगानिस्तान को आगे बढ़ाने में किसी नई सरकार का हिस्सा है। तो ऐसा नहीं हो सकता है। वह समर्थन नहीं होगा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

पत्रकारों को प्राथमिकता के आधार पर लगाई जाए वैक्सीन : केजरीवाल

(एजेंसी)

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केन्द्र सरकार से पत्रकारों के लिए कोरोना वायरस वैक्सीन लगाने की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

श्री केजरीवाल ने अपने आधिकारिक ट्विटर एकाउंट पर लिखा, पत्रकार बेहद विपरीत परिस्थितियों में रिपोर्टिंग कर रहे हैं। उन्हें फ्रंटलाइन वर्कर की तरह माना जाना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लगवाने की अनुमति दी जानी चाहिए। दिल्ली सरकार इस बारे में केन्द्र सरकार को पत्र लिख रही है। गौरतलब है कि केन्द्र सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देश के अनुसार इस समय चल रहे राष्ट्रीय कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर और 45 वर्ष के अधिक उम्र के लोग कोरोना वैक्सीन लगवाने के पात्र हैं। यह अभियान जनवरी में शुरू किया गया था। कई मीडिया संगठनों और नागरिक संगठनों ने भी पत्रकारों को कोरोना वैक्सीन प्राथमिकता के आधार पर लगवाए जाने के अनुरोध किए हैं।

दिल्ली के परिवहन मंत्री को हुआ कोरोना

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री अशोक गहलोत भी कोरोना से संक्रमित हो गये हैं। अशोक गहलोत ने बुधवार को ट्विटर पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर बताया, उनका कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आया है, इसलिए घर में आइसोलेट किया है। साथ ही उन्होंने अपील की है कि जो लोग उनके संपर्क में आए हैं, वे पूरी

सतर्कता बरतें। हाल के दिनों में दिल्ली में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैला है। देशभर के सभी बड़े शहरों में सबसे ज्यादा मामले दिल्ली में ही सामने आ रहे हैं। मंगलवार को अब तक के सबसे ज्यादा 13,468 मामले दर्ज किये गये थे। दिल्ली में कोरोना वायरस टेस्टिंग के बाद पॉजिटिव आने की दर बढ़कर 13.14 प्रतिशत हो गई है।

सरकार ने कोविड बेड की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 13 हजार की

सत्येंद्र जैन ने कहा दिल्ली समेत पूरे देश में तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले

नई दिल्ली (आनंद राय) । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली वासियों को एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग कोरोना संक्रमण की रोकथाम के नियमों का पालन करें और मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें।

दिल्ली कोरोना एप पर बेड की उपलब्धता देख कर जाएं अस्पताल

दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और अभी इसकी रफ्तार धीमी नहीं हो रही है। दिल्ली में कोविड बेड 6 हजार से बढ़ा कर 13 हजार कर दिए गए हैं, अभी और बेड बढ़ाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना मरीजों से अपील की कि डॉक्टर की सलाह पर ही वे अस्पताल में भर्ती हों और हल्के लक्षण वाले लोग अस्पताल में भर्ती होने से बचें। साथ ही, दिल्ली कोरोना एप पर बेड की उपलब्धता देख कर अस्पताल जाएं और हेल्पलाइन नंबर की भी मदद लें। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन एक लाख से अधिक कोविड टेस्ट किए जा रहे हैं, जो देश के किसी भी राज्य से अधिक है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जेन ने बताया कि कल दिल्ली में 13,468 कोरोना के नए मामले आए थे और 1.02 लाख से ज्यादा टेस्ट किए गए।

दिल्ली में संक्रमण दर 13.14 फीसद थी। कल की रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे देश में 1,85,000 से ज्यादा कोरोना के नए मामले आए, जो कोरोना की पिछली लहर में आए 99 हजार मामले से दोगुने हैं। दिल्ली और पूरे देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

17,282 नए मामले सामने आए

दिल्ली में कोरोना के 17,282 नए मामले सामने आए, 9,952 रिक्वरी हुई और 104 मौतें हुईं। नए मामलों के साथ राजधानी में कुल कोरोना मामले 7,67,438, कुल रिक्वरी 7,05,162, और मौतों का आंकड़ा 11,540 पहुंच गया है।

बाबा साहेब डिजिटल कला महोत्सव की हुई शुरुआत

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली सरकार ने बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 130 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'बाबा साहेब डिजिटल कला महोत्सव' की शुरुआत की है। इस महोत्सव का उद्देश्य संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों के भारत का विज़न साकार करना है और लोगों तक उनके विज़न को पहुंचाना है। दिल्ली सरकार इस महोत्सव के माध्यम से लोगों के बीच बराबरी, जाति उन्मूलन और सामाजिक न्याय का संदेश भेजने चाहती है। दिल्ली अपनी विभिन्न योजनाओं के द्वारा बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में काम कर रही है। दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए इस महोत्सव को कोरोना के कारण ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा जिसके क्यूरेटर जाने-माने सोशल मीडिया आर्टिस्ट अनुराग माइनस वर्मा होंगे। महोत्सव में कलाकारों को

बाबा साहेब के विजन को जनता तक पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार की अनोखी पहल

अपनी प्रस्तुति देने और अपनी कला से लोगों को परिचित करवाने के लिए मंच प्रदान किया जाएगा। महोत्सव में कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिताओं में कविताएं, गीत, रैप, पोस्टर मेकिंग, चित्रकारी, रील 30 सेकेंड की वीडियो शामिल हैं। प्रतियोगिता की थीम बाबा साहेब के प्रख्यात कथन नीले आसमान के नीचे हम सब बराबर हैं पर आधारित है। इन सभी श्रेणी की प्रतियोगिताओं में विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 75000, द्वितीय पुरस्कार 50000, तृतीय पुरस्कार 25000 की राशि दी जाएगी। इन प्रतियागिताओं की अधिकतम जानकारी प्रतिभागी दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा विभाग के आधिकारिक वेबसाइट से ले सकते हैं। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार आजादी के 75वें वर्षगाँठ पर 75 सप्ताह तक विभिन्न महोत्सवों का आयोजन कर रही है जिसका उद्देश्य दिल्ली के नागरिकों को देशभक्ति से ओतप्रोत करना और भगतसिंह, सुभाषचंद्र बोस, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, महात्मा गाँधी आदि जैसे हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देना है।

दिल्ली में एमएसपी से ज्यादा पर बिकी गेहूं की फसल, किसान हुए खुश

नई दिल्ली । एक ओर जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं बेचने के लिए दिल्ली के किसानों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है, वहीं दूसरी ओर नरेला अनाज मंडी में मंगलवार को एमएसपी से ज्यादा पर गेहूं की खरीद की गई। इस वजह से बांकनेर गांव के किसान काफी खुश हैं। मंडी में उनके गेहूं (711 किस्म) दो हजार दो रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदे गए हैं।

नरेला मंडी के आढ़ती राधेलाल राम नाथ ने बताया कि बांकनेर गांव के किसान रामचंद्र करीब 38 क्विंटल गेहूं लेकर उनके पास पहुंचे। मंडी में उनके गेहूं की खरीद दो हजार दो रुपये पर की गई। यह एमएसपी से 47 रुपये ज्यादा है। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष सुरेश कुमार भी मौजूद रहे।

बिना बेचे गेहूं से भरी ट्राली लेकर घर लौट रहे किसान- एक ओर जहां कुछ किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम पर खरीदी गई, वहीं फूड कारपोरेशन आफ इंडिया (एफसीआइ) के नरेला स्थित गोदाम से किसान बिना फसल बेचे गेहूं से भरी ट्राली घर वापस ले जाने को मजबूर हैं। किसान कई दिनों तक कई जगह धक्के खाने के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं बेचने के लिए एफसीआइ के गोदाम पहुंचे थे। लेकिन यहां कि अव्यवस्था को देखकर उन्होंने घर जाना बेहतर समझा। किसानों का आरोप है कि न तो गोदाम में मजदूरों की व्यवस्था है, न कोई गेहूं तौलने वाला है, न कोई गेहूं उतारने वाला है और न ही कोई अधिकारी सुनवाई कर रहा है।

हमीदपुर गांव के किसान रतनलाल मान व पुत्र विनोद मान ने बताया कि वह गोदाम में सुबह दस बजे पहुंच गए थे। लेकिन दोपहर डेढ़ बजे तक न तो किसी ने ट्राली से गेहूं को उतारा न उतारने की बात की। उन्होंने कहा कि गोदाम में मजदूर भी आठ-दस ही थे। उनको एक ट्राली गेहूं को उतारने से लेकर पैकिंग करने में चार घंटे का समय लग जा रहा है। ऐसे में कोई अधिकारी भी सहयोग नहीं कर रहा है। इसलिए वह वापस घर जा रहे हैं। अब आगे क्या करेंगे के सवाल पर उनका कहना था कि गेहूं के सैंपल भी ओके हो गए थे। लेकिन गोदाम की अव्यवस्था देखकर वह वापस जा रहे हैं। अब गेहूं को बेचेंगे नहीं घर पर ही रखेंगे। वहीं, इस मामले में मौके पर मौजूद अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं थे। हालांकि, उन्होंने बुधवार को मजदूरों की कमी न होने की बात कही।

एक नजर

महापौर ने दो अस्पतालों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने आज स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल व बालकराम अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थाई समिति के अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी, आयुक्त संजय गोयल व निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने कहा कि दिल्ली में लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर उत्तरी दिल्ली नगर निगम में बालक राम अस्पताल में फिर से 200 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरु करने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि इस कोविड केयर सेंटर में नागरिकों के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध होगी। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य जल्द से जल्द पूरे करने के निर्देश दिए। महापौर जय प्रकाश ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों व सामुदायिक केंद्रों में भी 50-50 बेड के आइसोलेशन सेंटर बनाए जाएंगे। महापौर जय प्रकाश ने कहा कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए हिंदू राव अस्पताल को फिर से कोविड अस्पताल बनाने के लिए दिल्ली सरकार से आग्रह किया जाएगा क्योंकि हिंदूराव अस्पताल में रोज 30 से 40 कोरोना के मरीज आ रहे हैं। महापौर ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते हुए मामलों के मद्देनजर उत्तरी दिल्ली नगर निगम नागरिकों की सुविधा हेतु हर संभव प्रयास कर रही है।

कुट्टू का आटा खाकर बीमार हुआ परिवार

नई दिल्ली। महरौली थाना क्षेत्र के गढ़वाल कालोनी में एक परिवार के छह सदस्य कुट्टू के आटे से बना प्रसाद खाने के बाद बीमार हो गए। परिवार के सभी सदस्यों को मंगलवार देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है। परिवार के छह सदस्य दस्त और उल्टी की समस्या से पीड़ित हो गए थे। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल कुमार के पिता रघुविंदर कुमार सोमवार को महरौली मेन मार्केट से व्रत में खाने के लिए कुट्टू का आटा लेकर आए थे। मंगलवार को नवरात्र के पहले दिन घर के सभी लोग व्रत थे जिन्होंने मंगलवार की शाम कुट्टू के आटे की बनी रोटियां खाई थीं। विशाल ने बताया कि रात करीब तीन बजे एक के बाद एक पूरे परिवार को दस्त और उल्टी होने लगी। उन्होंने एंबुलेंस को फोन किया और पूरे परिवार को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह हालत सुधरने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। पीड़ित की मां शीला देवी, भाई विकास कुमार, भाभी रजनी, बहन निशा और दो बच्चे दक्ष और सृष्टि बीमार हुए थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जानकारी मिली थी। पीड़ित द्वारा बताई गई दुकान से आटे का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया गया है।

रोडरेज में पिता-पुत्रों ने दो दोस्तों को पीटा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शाहदरा के मानसरोवर पार्क में रोडरेज के झगड़े में पिता-पुत्रों ने दो दोस्तों की पिटाई कर दी। घायल 28 वर्षीय विपिन और परवीन को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित विपिन परिवार के साथ गाजियाबाद के लोनी में रहते हैं। वहीं उनके दोस्त परवीन जैन शाहदरा के बलबीर नगर में रहते हैं। मंगलवार शाम 6 बजे विपिन अपने दोस्त परवीन के साथ बाइक से लोनी जा रहे थे। दोनों मानसरोवर पार्क में नत्थू चौक पर पहुंचे तभी एक स्कूटी सवार ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। विपिन ने उसे ठीक से स्कूटी चलाने को कहा तो वह भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। आरोपी ने तुरंत घर फोन कर अपने पिता और भाई को बुला लिया। तीनों ने मिलकर विपिन और परवीन की जमकर पिटाई की। वारदात के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एक मुस्लिम व्यक्ति रमजान के पवित्र महीने के पहले दिन, दिल्ली के जामा मस्जिद में इफ्तार भोजन की व्यवस्था करता हआ।

तिहाड़ जेल में कोरोना विस्फोट, 190 कैदी हो चुके संक्रमण का शिकार, 2 की मौत, अब 67 एक्टिव केस

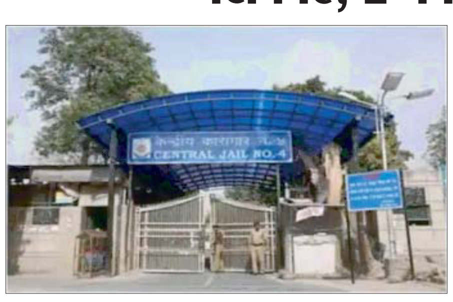

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सबसे बड़ी तिहाड़ जेल में 190 कैदियों को कोरोना संक्रमण हो चुका है. इनमें दो की कोरोना की वजह से मौत हो चुकी है. जेल प्रशासन द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, तिहाड़ जेल में अब तक कुल 190 कैदी संक्रमित हो चुके हैं. जबकि अब तक 121 कैदी कोरोना महामारी को मात दे चुके हैं. फिलहाल दिल्ली की जेलों में एक्टिव मामलों की संख्या 67 है. बात अगर जेल के स्टॉफ की करें तो अब तक 304 जेल स्टॉफ कोरोना संक्रमित हुए हैं, जिनमें 293 ठीक हो गए हैं, जबकि 11 अभी भी पॉजिटिव हैं. इन 11 जेल स्टॉफ में मंडोली जेल की जेल सुप्रीटेंडेंट अनीता दयाल और दो जेल डॉक्टर्स भी शामिल हैं.

तिहाड़ जेल के कैदियों में कोरोना तेजी से फैल रहा है. हालात इतने गंभीर हैं कि एक सप्ताह में ही कोरोना से संक्रमित होने वाले कैदियों और स्टाफ की संख्या में पांच गुना तक बढ़ोतरी हो गई है.

तिहाड़ के एक डॉक्टर को भी कोरोना हो गया है. उनके संपर्क में आने वाले तमाम कैदियों को क्वारंटीन किया गया है. तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने बताया कि तिहाड़, रोहिणी और मंडोली तीनों जेलों में पिछले सोमवार यानी 5 अप्रैल को कोरोना से संक्रमित कैदियों की संख्या 11 थी. इस सोमवार को यह बढ़कर 59 हो गई है. उनमें छह जेल स्टाफ और एक तिहाड़ जेल में तैनात डॉक्टर भी शामिल हैं. बताया जाता है कि शुरुआत में कोरोना के अधिक मामले यहां की जेल नंबर-2 में आए थे.

जेल प्रशासन ने बताया कि कैदियों की संख्या तो पहले ही 20 हजार के पार पहुंच चुकी है. हालात और गंभीर न हों. इसके लिए तीनों जेलों में बंद 60 साल और इससे अधिक की उम्र वाले तमाम कैदियों की हर दिन ऑक्सिजन लेवल और टेंपरेचर की जांच कराई जा रही है. इसके अलावा 45 साल और इससे अधिक उम्र वाले तमाम कैदियों को कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए तिहाड़ की जेल नंबर-3 में ही सेंटर बनाया गया है. अभी रोहिणी और मंडोली जेल में ऐसा सेंटर नहीं बना है. वहां भी कोशिश है कि टीकाकरण का काम शुरू हो सके.

दिल्ली में कोरोना बेकाबू

बता दें कि दिल्ली में संक्रमित मरीजों की संख्या 51 हजार को पार कर गई है. सोमवार को संक्रमित मरीजों की संख्या और 38,095 थी जोकि मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से बताए अनुसार 13,500 नए मरीजों के साथ बढ़कर 51,595 हो गई है. बीते नवंबर में जो पीक आई थी, उस दौरान भी अधिकतम मामले सिर्फ 8,500 रिकॉर्ड किए गए थे. हालांकि सीएम ने आज दोपहर को रि?कवर्ड मरीजों का आंकड़ा नहीं बताया.

एमसीडी श्मशान घाटों पर लगी हैं शवों की कतार, 13 दिन में 527 का दाह संस्कार!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में जिस तरीके से कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. उसी तरीके से मृतकों का आंकड़ा भी सुरसा की तरह लगातार बढ़ रहा है. मौतों का आंकड़ा दिल्ली के लिए एक भयावह स्थिति पैदा कर रहा है. अब तक दिल्ली में कोरोना संक्रमण की वजह से 11,436 लोगों की मौत हो चुकी है और? संक्रमित मरीजों की वर्तमान संख्या 43,510 हो गई है. चौंकाने वाली और चिंता की बात यह है कि अप्रैल माह के 13 दिनों के भीतर बड़ी संख्या में दिल्ली नगर निगम के श्मशान घाटों पर कोविड मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया है. तीनों निगमों की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक 13 दिनों के भीतर 527 कोविड पाजिटिव /संदिग्ध मृतकों का अंतिम संस्कार/सुपुर्द ए खाक किया गया है.

साउथ एमसीडी के अंतर्गत 6 शवदाह गृह/कब्रिस्तान में पिछले 12 दिनों में 200 लोगों का अंतिम संस्कार व सुपुर्द ए खाक किया गया है. कोरोना से हुई मृत्यु के बाद सबसे ज्यादा अंतिम संस्कार पंजाबी बाग श्मशान घाट पर किए गए हैं.

साउथ एमसीडी से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक पंजाबी बाग श्मशान घाट पर 1 अप्रैल से 12 अप्रैल, 2021 तक 110 मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया. वहीं, इस दौरान हस्तसाल श्मशान घाट पर 11, सेक्टर 24 द्वारका के श्मशान घाट पर 24, लोधी रोड स्थित श्मशान घाट पर 43 और आईटीओ कब्रिस्तान पर 12 लोगों का अंतिम संस्कार/सुपुर्द ए खाक का काम किया गया है.

एक अन्य शवदाह गृह सराय काले खां पर इन 12 दिनों में कोई भी अंतिम संस्कार नहीं किया गया है. वहीं, निगम की ओर से प्राप्त आंकड़ों की बात करें तो कोरोना काल के दौरान अब तक इन 6 श्मशान घाटों/कब्रिस्तान पर कुल 5,836 शवों का अंतिम संस्कार/सुपुर्द ए खाक किया गया है. आंकड़ों के मुताबिक अब तक पंजाबी बाग श्मशान घाट पर 2943 शव, हस्तसाल श्मशान घाट पर 442 शव, सेक्टर 24 द्वारका श्मशान घाट पर 510 शव और लोधी रोड शमशान घाट पर 1608 कोविड मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया है.

वहीं, आईटीओ कब्रिस्तान पर 332 कोविड मृतकों को सुपुर्द ए खाक किया गया है. इसके अलावा सराय काले खां पर पूर कोरोना काल के दौरान ?सिर्फ एक कोविड मृतक का ही अंतिम संस्कार किया गया है.

नार्थ निगम के श्मशान घाटों पर पहुंचे सबसे ज्यादा कोविड शव

इसके अलावा नॉर्थ एमसीडी के अंतर्गत आने वाले श्मशान घाटों और मुस्लिम व क्रिश्चियन कब्रिस्तान की बात करें तो इनकी संख्या 7 है.

इनमें निगमबोध घाट शवदाह गृह, पीके रोड शवदाह गृह, इंदरपुरी शवदाह गृह, बेरी वाला बाग शवदाह गृह, वजीरपुर शवदाह गृह, मंगोलपुरी शवदाह गृह, मंगोलपुरी मुस्लिम कब्रिस्तान और मंगोलपुरी क्रिश्चियन कब्रिस्तान प्रमुख रूप से शामिल हैं.

इन सभी शवदाह गृहों पर 1 से 13 अप्रैल तक कुल 228 कोविड मृतकों का अंतिम संस्कार/सुपुर्द ए खाक किया जा चुका है. इन सभी 228 कोविड मृतकों में से 219 कोविड पॉजिटिव और 9 कोविड संदिग्ध मृतक शामिल हैं.

अकेले निगमबोध घाट पर 13 दिन में 133 का अंतिम संस्कार

नॉर्थ एमसीडी से प्राप्त आंकड़ों की माने तो निगम बोध घाट पर 1 से 13 अप्रैल तक कुल 133 शवों का अंतिम संस्कार किया गया है जिनमें तीन कोविड संदिग्ध मृतकों के शव भी शामिल हैं.

इसी तरह से बेरी वाला श्मशान घाट पर 26, वजीरपुर श्मशान घाट पर 6,

पैसे के लिए 61 साल के बुजुर्ग पर लगाया जबरन सेक्स का आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी के वेस्ट दिल्ली जिला की राजौरी गार्डन थाना पुलिस की टीम द्वारा एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए तीन ऐसी आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है, जो पैसे वाले बुजुर्ग व्यक्ति को अपने जाल में फंसाकर उसके ऊपर जबरन सेक्स करने का फर्जी आरोप लगाती थीं. उसके बाद लाखों रुपये की उगाही करती थीं. ये आरोप ऐसा होता था कि बुजुर्ग और पैसे वाले अपनी इज्जत बचाने के लिए किसी को कुछ भी बताते भी नहीं थे और चुपचाप पैसे दे देते थे.

इलाके के एसीपी और राजौरी गार्डन थाना के एसएचओ अनिल शर्मा के नेतृत्व में टीम ने इस मामले पर मिली एक शिकायत के आधार पर पिछले कई दिनों से तफ्तीश करते हुए तीन महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है ,जिनका नाम इस प्रकार से है...

1.पूनम- उम्र 31 साल (दिल्ली में टैगोर गार्डन की रहने वाली)

2. सोनिया- उम्र - 28 साल (दिल्ली में टैगोर गार्डन की रहने वाली)

3. किरण- 30 साल (यूपी के मेरठ की रहने वाली)

वहीं, वेस्ट दिल्ली की डीसीपी के मुताबिक, आरोपी पूनम और सोनिया दोनों सगी बहन हैं. हालांकि ये दोनों गुजरात मूल की रहने वाली हैं. इन दोनों की पहले शादी हो चुकी है, लेकिन दोनों अपने पहले पति को तलाक लेकर अलग रह रही थीं. उसके बाद इन दोनों बहनों ने सेक्स के धंधे में कूदकर जल्द से जल्द पैसे कमाने के लिए एक गैंग बनाई,जिसमें कई लोगों को जोड़ने लगीं. इसी दौरान एक नया तरीका अपनाया और उन लोगों को अपना शिकार बनाने लगीं जो अक्सर अपने घर में या तो अकेले रहते हैं या जो काफी पैसे वाले बुजुर्ग हों. पहले लोगों के साथ घुल मिलकर बातचीत करना और उसके बाद एक साजिश के तहत सेक्स करने का आरोप लगा देती थीं. सेक्स के फर्जी आरोप लगाने वाले इस धंधे में प्रमुख आरोपी पूनम और उसकी बहन सोनिया है ,लेकिन इस गैंग में किरण का प्रयोग पीड़िता के तौर दिखाने के लिए किया जाता था. यानी किरण को ये दोनों आरोपी बहन किसी पैसे वाले बुजुर्ग के सामने भेजती थीं और उससे बातचीत करवाती थीं. उसके बाद ये तीनों आरोपी अवैध वसूली के वारदात को अंजाम देती थीं.

संपादकीय

दिग्गजों से आदर्श की उम्मीद

मानव जाति के अब तक के इतिहास में शायद ही इंसानों पर इस कदर चौतरफा वार हुआ होगा, जैसा अभी कोरोना महामारी के समय हो रहा है। मसला स्वास्थ्य (शारीरिक और मानसिक, दोनों) का हो या फिर रोजगार, शिक्षा, आवागमन अथवा पारस्परिक संबंधों का, लोग परेशान हैं। वायरस, उसके प्रसार, संक्रमण-दर और मृत्यु की आशंका आदि को लेकर प्रचारित-प्रसारित होने वाली तमाम सूचनाएं तेजी से बदल रही हैं, और उतनी ही तीव्रता से नामचीन हस्तियों (राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी कलाकार, डॉक्टर आदि) का अपनी ही 'सलाहों' पर खरे न उतरना भी हमें हैरत में डाल रहा है। पल-पल बदलती जानकारियों के कारण हमारे छोटे-बड़े लक्ष्य प्रभावित हो रहे हैं। मसलन, छात्र-छात्राओं को मार्च, 2020 में जब कॉलेज कैंपस खाली करने के लिए कहा गया था, तब उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि अपने शिक्षण संस्थान से वे इतने समय तक (करीब एक साल) दूर रहेंगे। और अब तो, फिर से अलग-अलग रूप में लॉकडाउन लागू किए जा रहे हैं, जिनसे एक बार फिर अनिश्चितता का माहौल बनता जा रहा है, जबकि शिक्षण संस्थान पर्याप्त तैयारी के बिना विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा देने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि खेल जगत, उद्योग, राजनीति, फिल्म जैसे तमाम क्षेत्रों की कमोबेश सभी हस्तियों ने कोविड-19 से बचने के लिए उचित व्यवहार अपनाने की जरूरत को बार-बार दोहराया, लेकिन उनकी ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो भी लोगों की नजरों में आए, जिनमें ये 'जिम्मेदार नागरिक' खुद अपनी ही बातों पर अमल नहीं कर रहे। यही कारण है कि आम लोग, जो इन हस्तियों की प्रशंसा के गीत गाते नहीं थकते, कोरोना से बचाव की बुनियादी सावधानियों पर संदेह करने लगे हैं। सभी क्षेत्रों का हाल समान है। राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे हमें ऐसा रास्ता दिखाएंगे, जिनसे हम महामारी से बच सकेंगे। यही उम्मीद फिल्मी कलाकारों, खिलाड़ियों आदि से भी की जाती है। मगर हम सबने देखा कि किस तरह से अधिकांश हस्तियां सरकारी दिशा-निर्देशों को रटती तो रहीं, लेकिन उन्होंने वैसा आचरण नहीं किया। एकाध को छोड़कर तो किसी ने यह देखने की भी जहमत नहीं उठाई कि प्रवासी श्रमिकों की भूख शांत करने या उन्हें घर तक पहुंचाने में उनकी छोटी सी मदद ही काफी कारगर हो सकती है। यह तो कुछ मीडियाकर्मी और फिल्मी कलाकार थे, जिन्होंने उन मजदूरों के दर्द को समझा। ऐसा करके संभवतः उन्होंने प्रस्तावित सुरक्षा मानदंडों की कमियों को ही उजागर किया। जैसे, बार-बार हाथ धोते रहने की बात तो नामचीनों द्वारा की जाती रही, लेकिन उन्हें शायद ही यह पता होगा कि शहरी कॉलोनियों में कितने बजे स्थानीय निकाय पानी की सप्लाई करते हैं? उन्हें नहीं मालूम होगा कि मेट्रो शहरों की करीब 20 फीसदी आबादी तभी पानी ले पाती है, जब पानी टैंकरों और नलों के आसपास 'गाली-गलौज भरे शोर' पर वह विजय पाती है। इसलिए यह जानने के बावजूद कि इन हस्तियों की बातें माननी चाहिए, कई लोगों के लिए उनका पालन मुश्किल था। इसी तरह, शारीरिक दूरी बरतने का आह्वान भी तब अकल्पनीय जान पड़ता है, जब हम देखते हैं कि 31 फीसदी से अधिक परिवारों के तीन-चार सदस्य एक ही कमरे में सोते हैं। ऐसी हालत में, इन हस्तियों का अनुसरण करने के बजाय जमीनी हकीकत से इनकी दूरी पर सवाल उठने लगते हैं, जो स्वाभाविक भी हैं। दिलचस्प यह भी है कि तमाम हस्तियों ने यह तो खूब साझा किया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने क्या-क्या किया। जिम-योगाभ्यास करने से लेकर बर्तन मांजने, खाना पकाने, पेंटिंग करने, पढ़ने-लिखने, कहानी-गाना सुनने तक, सब कुछ बताया गया। मगर शायद ही किसी ने छात्र-छात्राओं को कोई मशविरा देना उचित समझा या फिर उन महिलाओं की बातें की, जो एक ही कमरे में झगड़ालू पति के साथ रहने को मजबूर हैं। 'इनडोर योग' ने अचानक से खुली जगह और ताजी हवा को हमसे दूर कर दिया, जबकि योग या सामान्य श्वसन के लिहाज से ये अनिवार्य तत्व हैं। मीडिया में काफी चर्चा में रहने वाले डॉक्टर भी प्रासंगिक सवालों के माकूल जवाब देने से बचते दिखे। जैसे, कोविड से बचाव संबंधी व्यवहार अपनाना यदि अनिवार्य है, तो फिर टीकाकरण से क्या फायदा? टीका लेते वक्त यदि कोई संक्रमित हो और उसे इसकी जानकारी न हो, तो फिर टीका उसे किस हद तक मदद करेगा? अगर टीके की दोनों खुराक के बीच में कोई बीमार पड़ता है, तो क्या होगा? टीके के प्रतिकूल प्रभाव की भी खबरें हैं, उनसे भला कैसे पार पाया जाएगा? यदि टीकाकरण ही हमें संक्रमण से बचाएगा, तो क्या 'हर्ड इम्युनिटी' (जब 60 से 70 फीसदी आबादी रोग प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर लेती है और महामारी का अंत मान लिया जाता है) की अवधारणा गलत है? वह भी तब, जब हर पांच में से एक इंसान के शरीर में प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो चुकी है? और फिर, प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में डॉक्टरों, विशेषज्ञों की क्या राय है, जो हम भारतीय हमेशा से करते रहे हैं, और इसीलिए प्राकृतिक रूप से प्रतिरोधी क्षमता हमारे शरीर में होती है? जाहिर है, लोग ऐसे फैसलों की उम्मीद कर रहे हैं, जो उन्हें सुरक्षित व स्वस्थ रखें, और बीमारी को उनके घर आने से रोक सकें। उन्हें आसान शब्दों में यह समझाना जरूरी है, और इसके लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि जो लोग इस काम में लगाए गए हैं, वे भी इन सलाहों को अपने जीवन में उतारें। वरना महाकुंभ, चुनावी रैलियों और इन रैलियों के वक्तागण, लोगों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर भी उन्हें 'ठीक' महसूस कराते रहेंगे। साफ है, तमाम क्षेत्रों के नेतृत्व को पहले खुद कोरोना बचाव संबंधी व्यवहार अपनाने को बाध्य किया जाना चाहिए और फिर वे अपने सहयोगियों, अधीनस्थों और समर्थकों को ऐसा करने को कहें। समाज के सामने एक आदर्श हमें प्रस्तुत करना ही होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

मोदी सरकार के सत्ता संभालने के बाद जो सबसे महत्वपूर्ण नैरेटिव खड़ा किया गया वो था 'असहिष्णुता' का

हद तो तब हो गई जब इन लोगों ने एक निजी विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के इस्तीफे को भी अकादमिक स्वतंत्रता से जोड़कर केंद्र सरकार पर आरोप लगाने शुरू कर दिए। दरअसल अकादमिक स्वतंत्रता का मुद्दा इनके लिए एक ऐसा प्रोपगैंडा है जिसकी आड़ में ये भारतीय जनता पार्टी के विरोधियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। आज ये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर शिक्षा जगत में हस्तक्षेप का आरोप लगा रहे हैं लेकिन ये लोग वो दिन भूल गए जब विश्वविद्यालयों में उनकी ही नियुक्तियां हुआ करती थीं जो लेफ्ट पार्टी के कार्ड होल्डर होते थे या उनके संगठनों के सक्रिय सदस्य हुआ करते थे।

2014 में जब केंद्र में नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में सरकार बनी थी तब से कई शब्द प्रचारित किए गए, उसमें सबसे प्रचलित हुआ 'नेरैटिव'। नैरेटिव खड़ा करने के लिए कई तरह के सिद्धांतों और विश्व प्रसिद्ध विद्वानों के कथन भी बार-बार उद्धृत किए जाते रहे हैं। मोदी सरकार के सत्ता संभालने के बाद जो सबसे महत्वपूर्ण नैरेटिव खड़ा किया गया वो था 'असहिष्णुता' का।

इस शब्द को सरकार और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को घेरने के लिए उपयोग में लाया गया। इसकी आड़ ही में कई छोटे-छोटे नैरेटिव और बनाए गए। 'मॉब लिंचिंग' से लेकर 'पोस्ट ट्रूथ' जैसे शब्दों को प्रचलित कर मोदी सरकार को या यों कहें कि भारतीयता के विचारों के पैरोकारों को, राष्ट्रीयता की बात करने वालों को नीचा दिखाने की कोशिशें हुईं। असहिष्णुता की आड़ में ही पुरस्कार वापसी का प्रपंच रचा गया और उसका इतना शोर मचाया गया कि सरकार के बड़े मंत्रियों को इस मुद्दे पर सफाई देनी पड़ी थी।

असहिष्णुता का जो नैरट्व खड़ा किया वो 'मैनफैक्चरिंग कसेंट' के सिद्धांत के करीब नजर आता है। उन्नीस सौ अठासी में एडवर्ड हरमन और नोम चोमस्की की एक किताब आई थी जिसका नाम था, 'मैनुफैक्चरिंग कसेंट, द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ द मास मीडिया'। इस किताब में 'व्यवस्थित प्रोपगैंडा' और 'मैनफैक्चरिंग कसेंट' यानि सहमति निर्माण के बारे में बात की गई है।

किसी विषय विशेष को लेकर इस तरह का माहौल बनाया जाए या प्रोपगैंडा किया जाए ताकि आम जनता की उस मुद्दे को लेकर सहमति निर्मित की जा सके। असहिष्णुता और पुरस्कार वापसी को इस विचार की कसौटी पर कसते हैं तो साफ तौर पर ये सिद्ध होता है कि ये पूरा नैरेटिव व्यवस्थित और सुनियोजित प्रोपगैंडा पर आधारित था।

असहिष्णुता का मुद्दा दो हजार पंद्रह

के बिहार विधानसभा चुनाव के पहले उठाया गया था और बेहद सुनियोजित तरीके से उसको इस तरह से फैलाया गया था कि परोक्ष रूप से उसका राजनीति लाभ उठाया जा सके। विधान सभा चुनाव के बाद ये मुद्दा शांत भी हो गया था। नरेन्द्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान सहमति निर्माण करने की कई कोशिशें हुईं। इस तरह के प्रोपगैंडा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर काम करनेवाले संगठनों और व्यक्तियों का भी साथ मिलता है। पीईन इंटरनेश्नल और रैंकिंग देने वाले अन्य अंतराष्ट्रीय संगठन इस तरह के प्रोपगैंडा में शामिल होते रहे हैं। अपनी रिपोर्टों के माध्यमों से वो सहमति निर्माण के लिए जमीन तैयार करते हैं।असहिष्णुता के बाद सरकार के विरोधियों, जिनमें वामपंथियों और अशोक वाजपेयी जैसे नव-वामपंथी भी शामिल रहे हैं, ने 'फासीवाद' से लेकर 'अघोषित आपातकाल' जैसे मसलों पर नैरेटिव खड़ा करने की कोशिशें कीं। दरअसल इस तरह के लोग अपने राजनीतिक आकाओं के लिए परोक्ष रूप से राजनीति का औजार बनते रहे हैं। जब भी कोई चुनाव आता है तो इनको देश में फासीवाद की आहट सुनाई देने लगती है, देश में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल दिखने लगता है। और इन सबके लिए उनको भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा जिम्मेदार लगने लगती है।मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान इन सब लोगों ने बहुत जोर शोर से नैरेटिव बनाने का काम किया और कई बार सरकार को बैकफुट पर लाने की कोशिश भी की, लेकिन राष्ट्रीयता और भारतीयता की विचारधारा की ताकत के आगे उनकी ज्यादा चल नहीं पाई। बावजूद इसके खुद को लिबरल विचारधारा के कोष्टक में रखनेवाले ये लोग हार नहीं मानते हैं और जब भी कोई अवसर दिखाई देता है तो नैरेटिव खड़ा करने के काम में लग जाते हैं।

असहिष्णुता के बाद जो सबसे मजबूत नैरेटिव बनाने की कोशिश हुई वो थी 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' पर खतरे को लेकर। इसको कला और साहित्य जगत से जोड़कर इस तरह से पेश किया गया कि जैसे देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लगातार बाधित की जा रही हो या फिर कलात्मक स्वतंत्रता को रोका जा रहा हो। इसके लिए मसखरी करनेवाले हास्य कवियों या कॉमेडियनों को लेकर हुए केस मुकदमों को आधार बनाने की कोशिशें भी हुईं।

सरकार के खिलाफ नैरेटिव बनाने वालों को उम्मीद थी कि दो हजार उन्नीस के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी कमजोर होगी। लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया और राष्ट्रवादी विचारधारा को देश की जनता ने और मजबूती प्रदान की और भारतीय जनता पार्टी दो हजार चौदह के मुकाबले ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करके और मजबूत हुई। दो हजार उन्नीस के चुनावों में मोदी की अगुवाई में हुई जीत से इन कथित उदारवादियों को धक्का तो लगा लेकिन इन्होंने हार नहीं मानी। वो लगातार अपने काम में लगे रहे। विधान सभा चुनावों के वक्त भी उन्होंने फिर से अघोषित आपातकाल से लेकर दलितों के खिलाफ अत्याचारों को लेकर नैरेटिव बनाने का खेल खेला और उनको सहमति निर्माण में आंशिक सफलता मिली। कुछ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हार गई।

ये हिंदुत्व के खिलाफ भी माहौल बनाते हैं लेकिन जब उग्र हिंदुत्व की पैरोकारी करनेवाली शिवसेना और कांग्रेस महाराष्ट्र में साथ मिलकर सरकार बनाती है तो इन कथित उदारवादियों के मुंह सिल जाते हैं, कलम खामोश हो जाती है। दरअसल ये इस तरह का भावनात्मक मुद्दा उठाते हैं कि जनता इनके झांसे में आ जाती है। 'लव जिहाद' जैसे मुद्दे को इन्होंने प्यार पर पहरे से जोड़ने की कोशिश की लेकिन जब उसका विकृत रूप लगातार समाज के सामने आने लगा तो उन्होंने बेहद चतुराई के साथ इस मुद्दे पर अपनी मुखरता कम कर दी। उदारवाद के नाम पर जिस तरह की स्वच्छंदता ये चाहते हैं वो भारतीय संस्कृति या परंपराओं के खिलाफ जाती है और हमारा समाज अभी इसको स्वीकृत नहीं करता है।

अब जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधान सभा चुनाव हो रहे हैं तब इन कथित उदारवादियों ने एक बार फिर से प्रोपगैंडा के तहत सहमति निर्मित करने की कोशिशें आरंभ कर दी हैं। इस बार इन लोगों ने जो विषय उठाया है वो है 'अकादमिक स्वतंत्रता' का।

अब ये आरोप लगा रहे हैं कि केंद्र सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालयों से लेकर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) तक के काम काज में दखल दे रही हैं और अपने विरोधियों को किनारे लगाने का संगठित काम कर रही है।

हद तो तब हो गई जब इन लोगों ने एक निजी विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के इस्तीफे को भी अकादमिक स्वतंत्रता से जोड़कर केंद्र सरकार पर आरोप लगाने शुरू कर दिए। दरअसल अकादमिक स्वतंत्रता का मुद्दा इनके लिए एक ऐसा प्रोपगैंडा है जिसकी आड़ में ये भारतीय जनता पार्टी के विरोधियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। आज ये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर शिक्षा जगत में हस्तक्षेप का आरोप लगा रहे हैं लेकिन ये लोग वो दिन भूल गए जब विश्वविद्यालयों में उनकी ही नियुक्तियां हुआ करती थीं जो लेफ्ट पार्टी के कार्ड होल्डर होते थे या उनके संगठनों के सक्रिय सदस्य हुआ करते थे।

बोला गया झूठ काट सकता है, परंतु चल नहीं सकता; झूठ के पांव नहीं होते और अफवाहों के कान नहीं

झूठ के पांव नहीं होते और अफवाहों के कान नहीं होते। मुझे तो यह कथन ही झूठा लगता है। झूठ बोलने में मुंह का इस्तेमाल होता है। मुंह में दांत तो होते हैं, लेकिन उसमें पांव नहीं होते। मुंह से बोला गया झूठ काट सकता है, परंतु वह चल नहीं सकता है। हां, वह बेपर की उड़ान जरूर भर सकता है। इसके लिए अफवाह अपने पंख फैलाए मिलती है। अफवाह को ही आजकल कुछ लोग फेक न्यूज कहने लगे हैं। इस फेक न्यूज का जनक कौन है, यह एक

यक्ष प्रश्न है, जिसे मैं पूछना चाह रहा था। मैं ऐसे किसी अमिथ्यावादी युधिष्ठिर की तलाश में था। युधिष्ठिर से तो क्या ही मिलना होता? इसके लिए मुझे महाभारत काल में जाना पड़ता और ऐसा हो पाना असंभव था। खैर, मुझे सत्यवादी युधिष्ठिर तो नहीं मिले, हां कुछ युधिष्ठिरनुमा लोगों से जरूर मुलाकात हो गई। एक युधिष्ठिर को हस्तिनापुर की संपूर्ण सत्ता चाहिए थी। उन्हें पांच गांवों वाला प्रस्ताव स्वीकार नहीं था। दूसरे युधिष्ठिर को जुए की लत थी। वह बार-बार चौसर की तरफ भागते और हारकर ही लौटते थे। बाद में वह जिससे हारते, उसको शकुनि बताते और उसकी चाल को कोसते रहते। तीसरे युधिष्ठिर को अपने से भी अधिक उस कुत्ते पर विश्वास था, जो सिंहासन से दूर हो जाने पर भी उनका साथ देगा और पीछे-पीछे चलता रहेगा। चौथे युधिष्ठिर का दावा था कि वह इस धरती पर अकेले सत्यवादी हैं, किंतु उनके बारे में यह दुष्प्रचार उनसे चिपक चुका था कि अपने मतलब के लिए वह नर और कुंजर में भेद नहीं मानते थे। वह यथावश्यकता अपनी सत्यवादी छवि को संशय के आवरण में लपेट कर प्रस्तुत करने में भी संकोच नहीं करते थे। मुझे और भी किस्म-किस्म के युधिष्ठिर मिले, लेकिन आज तक उस युधिष्ठिर से भेंट नहीं हो पाई, जो मेरे यक्षप्रश्न का उत्तर दे सके कि फेक न्यूज का आविष्कारक कौन है?

पहले युधिष्ठिर ने मेरा प्रश्न सुना। कहने लगे, मैं सत्यवादी हूं। मेरी इस छवि को बनाने में इस फेक न्यूज का ही योगदान रहा है। ऐसा मेरे सभी भाई तो जानते ही हैं, मेरी सेना भी यही मानती आई है, किंतु इस बात को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार कर पाना सत्ता प्राप्ति के मार्ग में बाधक है। इसी के बल पर मैंने राजतिलक लगवाने का एक अदद सपना देखा था, लेकिन मेरा वह सपना भी कोरा सपना ही रह गया। मुझ पर यह आरोप लगा दिया गया कि मैं जन सरोकार और जन स्वीकार, दोनों ही मोर्चों पर असफल हूं। जब सोने का वक्त होता है, मैं जाग पड़ता हूं और जब जागने का समय आता है, तब सो जाता हूं। मैंने लाख सफाई दी कि ऐसा नहीं है, लेकिन मेरे विरोधियों ने यह दलील देकर मुझे धराशायी कर दिया कि यदि मैं सो न रहा होता तो फिर इतने सारे सपने कहां से देख पाता!

दूसरे युधिष्ठिर अपनी ख्याति के अनुरूप चौसर बिछाए बैठे हुए थे। राज सिंहासन की खातिर मोहरे फिट करने और नए दांव चलने में उनकी ख्याति थी। उन्हें मेरे प्रश्न में कोई रुचि नहीं दिखलाई पड़ी। वह हर बार द्यूत क्रीड़ा करते और पराजित होते। उन्हें पांसे फेंकने में जो आनंद मिलता था, उसके आगे फेक न्यूज का कोई महत्व नहीं था। वह अपने राजपाट की हार को ही फेक न्यूज सिद्ध करने लग पड़े। उन्हें कौन समझाए कि पराजय एक शाश्वत सत्य है। अपनी कमजोरियों को फेक न्यूज की फटी हुई चादर में लपेटने के बावजूद वह बाहर झांकती हुई मिलती है। तीसरे युधिष्ठिर ने तो अपने कुत्ते को पुचकारते हुए मेरा प्रश्न सुना। वह कहने लगे, मेरा मुंह मत खुलवाइए। आजकल हर खबर झूठी होती है। मुझे तो अपने इस पालतू प्राणी की भौं-भौं से ही पता चल जाता है कि इस समय क्या कुछ नया समाचार है? आज हर झूठ को सत्य और हर सत्य को झूठ समझने में ही भलाई है। यही युग सत्य है। इसके बाद मेरी किसी और युधिष्ठिर से मिलने की हिम्मत नहीं हुई। मेरा यक्षप्रश्न अब भी यथावत खड़ा है। वैसे भी प्रश्न को कभी किसी ने पड़े हुए नहीं देखा। वह पड़ता भी है तो ऐसे श्रीचरणों में, जहां हम जैसों की निगाहें जा ही नहीं पाती हैं। किसी भी प्रश्न के सम्यक उत्तर की प्रकृति ही यह होती है कि वह प्रायः गलत हुआ करता है। यदि प्रश्न ही टेढ़ा हो, तो हमें भला उसका सीधा उत्तर किस तरह मिल सकता है?

असम में नया क्या हुआ?

असम विधानसभा चुनाव का नतीजा 2 मई को आएगा। वहां पार्टियां अपने उम्मीदवारों की हिफाजत को लेकर अभी से चौकन्ना हो गई हैं। विपक्षी गठबंधन में शामिल एआईयूडीएफ के 19 में से 18 उम्मीदवारों को कांग्रेस जयपुर ले गई। वहां उन्हें एक होटल में ठहराया गया। गठबंधन के सहयोगी दल बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट ने भी ऐसा ही किया। अपने 11 प्रत्याशियों को उसने कोकराझार के एक होटल में पहुंचा दिया। विपक्ष को डर है हॉर्स ट्रेडिंग का। अब तक भारतीय लोकतंत्र ने चुनाव परिणाम के बाद जन प्रतिनिधियों को लुभाने का खुला खेल देखा था। असम में जो कुछ हुआ है, वह इस लिहाज से चौंकाने वाली बात है। लेकिन यह कोई नई चीज नहीं है। यह पहले से चले आ रहे सिलसिले की एक कड़ी भर है। 1967 के आम चुनाव और 1969 में कई राज्यों में चुनाव के बाद 500 से ज्यादा निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने एक से दूसरे दल का दामन थामा।

उसी दौर में 15 दिनों के भीतर तीन बार इधर से उधर जाने वाले हरियाणा के विधायक गया लाल के नाम पर तो मुहावरा ही बन गया आया राम गया राम का। 1980 में हरियाणा के भजनलाल के साथ पूरी की पूरी सरकार के कांग्रेस में शामिल होने और 1984 में तमिलनाडु की एन टी रामाराव सरकार में भास्कर राव के जरिए कांग्रेस के सेंध लगाने से लेकर अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा और पुडुचेरी जैसे राज्यों में हाल के वर्षों में जो कुछ देखा गया, असम की घटना उसी की एक कड़ी है। 52वें संविधान संशोधन के जरिए 1985 में बना दल-बदल विरोधी कानून भी हांफता दिखता है ऐसी कारगुजारियों के आगे। दरअसल लोकतंत्र से खिलवाड़ किसी कानून से शायद ही रुके। चुनावों में मनी और मसल पावर का दखल जिस तरह बढ़ा है, उसका नतीजा है असम की घटना। काले धन का सीधा संबंध चुनावों से है।

छोटे स्तर की चालबाजियां करने वालों से लेकर कॉरपोरेट ग्रुप्स तक राजनीतिक दलों को अपनी ताकत के मुताबिक चंदा देते हैं। ऐसे चंदे का कोई हिसाब-किताब नहीं होता। इसकी कीमत वसूली जाती है बाद में। नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार का नाला इसी चंदे से शुरू होता है। अकूत पैसा बहाया जाता है चुनावों में, लेकिन निर्वाचन आयोग के सामने तय सीमा में खर्च के आंकड़े रख दिए जाते हैं। राजनीतिक दलों को चंदे को लेकर पारदर्शिता बरतनी चाहिए, वहीं वोटरों को इसके लिए उन पर दबाव बनाना होगा। उन्हें बार-बार यह सवाल पूछना होगा कि राजनीतिक दल क्यों नहीं देते अपने चंदे का पूरा हिसाब? पूरी चुनाव प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। ऐसा हो जाए तो असम में जो कुछ हुआ है, वैसी पेशबंदी की जरूरत भी नहीं रहेगी।

भाजपा को हराने का इरादा तो ठीक, लेकिन विपक्षी दलों का एकजुट होना आसान नहीं

कोविड के चलते ग्राहक ऑनलाइन खरीदारी और ऑनलाइन डिलीवरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस नई व्यवस्था और नियम में अपना अस्तित्व बनाए रखने, प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने, नए ग्राहक पाने और पुराने ग्राहकों का प्रतिधारण करने के लिए डिजिटल रूपांतरण ही एकमात्र उपाय है। यह डिजिटल रूपांतरण के महत्व को स्वीकारे और अपनाने का सही समय है। डिजिटल जगत में बड़ी मछली छोटी को हजम नहीं करती। जो प्रासंगिक नहीं है उसका अस्तित्व स्वयं खत्म हो जाता है। तमाम परिस्थितियां इंगित करती हैं कि कारोबार को डिजिटल बनाने का यही वक्त है।

बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के ठीक पहले ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों के नेताओं को एकजुट होने और लोकतंत्र बचाने की जो चिट्ठी लिखी, वह इन दिनों चर्चा के केंद्र में है। इस चिट्ठी में उन्होंने विपक्षी नेताओं को भाजपा से आगाह करते हुए यह आरोप लगाया कि वह देश में एक ही पार्टी का शासन चाहती है और इसीलिए ईडी, सीबीआइ आदि के जरिये गैर-भाजपा नेताओं को निशाना बना रही है। सोनिया गांधी, शरद पवार से लेकर अखिलेश और तेजस्वी यादव को लिखी चिट्ठी में उन्होंने यह भी कहा है कि जहां भाजपा पैसे के दम पर दूसरे दलों के नेताओं को खरीद रही है, वहीं केंद्र सरकार राज्यों का फंड रोक रही है। चुनावों के बीच यह चिट्ठी चकित करती है, क्योंकि किसी भी लिहाज से विपक्षी एकता की मुहिम का यह सही वक्त नहीं। ममता की यह चिट्ठी कई सवाल खड़े करने के साथ यह भी आभास कराती है कि कहीं उन्हें अपनी पराजय की आशंका तो नहीं सता रही या फिर वह यह तो नहीं चाह रहीं कि बहुमत से पीछे रह जाने का स्थिति में कांग्रेस उनका समर्थन करने के लिए आगे आ जाए? आखिर उन्होंने चुनाव के पहले ऐसी कोई कोशिश क्यों नहीं की? क्या यह अच्छा नहीं होता कि वह वाम दलों न सही, कांग्रेस को अपने साथ मिलकर चुनाव लड़ने की पेशकश करतीं? आखिर वह कांग्रेस से ही तो निकली हैं।

कांग्रेस से निकलकर अपना अलग दल बनाने के बाद ममता पहले भाजपा के नेतृत्व वाले राजग

का हिस्सा बनीं, फिर कांग्रेस की अगुआई वाले संप्रग का। वैसे तो वह केंद्र में मंत्री भी रही हैं, लेकिन मूल रूप से उन्होंने बंगाल केंद्रित राजनीति ही की है। परिवर्तन के नारे के साथ उन्होंने वाम दलों का सफाया करके राज्य की सत्ता संभाली, लेकिन दस साल बाद यह पता चल रहा है कि राज्य में वैसा कुछ बदलाव तो हुआ ही नहीं, जिसका उन्होंने वादा किया था। उन्होंने अपनी ही गलतियों से अपनी राजनीतिक स्थिति कमजोर की है। उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति के चलते उठाना पड़ा।

वोटों के लालच में दुर्गापूजा के समारोहों पर रोक लगाना तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा ही कही जाएगी। जय श्रीराम नारे पर आपत्ति जताकर उन्होंने खुद को हिंदू विरोधी जताने मे संकोच नहीं किया। भाजपा इसका लाभ उठा रही है। जब ममता को अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने भूल सुधार करने की कोशिश में चंडी पाठ करने और खुद का गोत्र बताने का भी काम किया, लेकिन यह साफ है कि अब देर हो गई है। उनके लिए खतरे की घंटी बजती दिख रही है।

यह पहली बार नहीं, जब किसी ने भाजपा के विरोध में विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की हो। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद से विपक्षी नेता रह-रहकर भाजपा के खिलाफ कोई मोर्चा बनाने की कोशिश करते रहे हैं। यह कोशिश सोनिया गांधी से लेकर क्षेत्रीय दलों के कई नेता भी कर चुके हैं। एक समय खुद ममता बगैर कांग्रेस के विपक्षी दलों का मोर्चा बनाने की कोशिश कर चुकी हैं। हर बार यह कोशिश नाकाम हुई तो इसीलिए कि उसका मकसद केवल सत्ता हासिल करना या अपनी राजनीतिक जमीन बचाना रहा।

विपक्षी दल इसलिए चिंतित हैं, क्योंकि भाजपा वहां भी अपना विस्तार करने में सक्षम है, जहां पहले उसकी उपस्थिति नहीं थी। अपनी राजनीतिक सूझबूझ से भाजपा जिस तरह अपना विस्तार कर रही है, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। जो भाजपा बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में मुकाबले में नहीं थी, वह आज सत्ता की प्रबल दावेदार बन गई है। उसका दावा तभी मजबूत हो गया था, जब 2019 के आम चुनाव में उसने 42 में से 18 सीटें हासिल की थीं। इसके पहले वह असम और त्रिपुरा में अप्रत्याशित सफलता हासिल कर विरोधियों और राजनीतिक पंडितों को चौंका चुकी है।

बंगाल के नतीजे कुछ भी हों, यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस और वाम दल खुद को सत्ता की दौड़ से बाहर मान रहे हैं। जहां वाम दल ममता को राजनीतिक रूप से कमजोर होते हुए देखना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस के बड़े नेता और खासकर राहुल और प्रियंका जिस तरह बंगाल में चुनाव प्रचार करने से कतरा रहे हैं, उससे तो यह लगता है कि उनकी रणनीति ममता की राह आसान करना है। सच जो भी हो, कांग्रेस एक के बाद एक राज्यों में जिस तरह अपने हथियार डाल रही है, उससे वह और कमजोर ही हो रही है। उसकी कमजोरी का एक कारण उसका वामपंथी मानसिकता से लैस होते जाना भी है। कांग्रेस और वाम दलों ने बंगाल में फुरफुरा शरीफ दरगाह के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी को अपने गठबंधन का हिस्सा बनाकर तुष्टीकरण की राजनीति पर ही चलते रहने का संकेत दिया है। कांग्रेस जो काम बंगाल में कर रही है, वही केरल और असम में भी। यह वह राजनीति है, जो लंबे समय तक कहीं नहीं चली।

एक समय दलित-मुस्लिम गठजोड़ राजनीतिक कामयाबी की गारंटी होता था, लेकिन अब यह बिखर चुका है। जिस तरह दलित यह समझ चुके हैं कि उनके हितैषी बनने का दावा करने वाले उनका चुनावी इस्तेमाल करते हैं, वैसे ही मुस्लिम भी यह समझें तो बेहतर। वस्तुतः हर किसी को अपने मत का उपयोग अपने और देश के विकास को ध्यान में रखकर करना चाहिए। पता नहीं ऐसी स्थिति कब बनेगी, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि विपक्षी एकता की हांडी बार-बार चढ़ने वाली नहीं है।

देश की जनता इससे वाकिफ है कि जो विपक्षी दल एकजुट होकर मोदी को चुनौती देना चाह रहे है, वे अपने राजनीतिक स्वार्थ पूरा करने के फेर में हैं। यदि कोई विपक्षी दलों को एकजुट करना चाहता है तो उसे कोई कारगर रूपरेखा सामने रखनी होगी। भाजपा को हराने का इरादा तो ठीक है, लेकिन आखिर उसे हराकर विपक्षी नेता समाज और देश के लिए क्या करेंगे? विपक्षी एकता में एक बड़ी बाधा अधिकांश क्षेत्रीय दलों के पास राष्ट्रीय दृष्टि का अभाव होना है। ये क्षेत्रीय दल अपने राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। उचित होगा कि विपक्षी एकता की बात करने वाले देश निर्माण की ऐसी कोई रूपरेखा लेकर सामने आएं, जो भाजपा से बेहतर हो। केवल इस रट से बात बनने वाली नहीं कि मोदी के कारण लोकतंत्र खतरे में है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कोरोना पॉजिटिव, सेल्फ आइसोलेशन में मुख्यमंत्री

लखनऊ । देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर ने बेहद भयानक रूप ले लिया। इसकी चपेट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी आ गए हैं। आज उनकी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ अब सेल्फ आइसोलेशन में गए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय के ओएसडी, अपर मुख्य सचिव तथा सीएम योगी आदित्यनाथ के निजी सचिव के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद से ही बेहद सावधानी बरत रहे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कोरोना वायरस संक्रमित होने की जानकारी ट्विटर पर दी है। बुधवार को मुख्यमंत्री ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी और अब वह सेल्फ आइसोलेशन में हैं।

शुरुआती लक्षण दिखने पर मैंने कोविड की जांच कराई और मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं सेल्फ आइसोलेशन में हूं और चिकित्सकों के परामर्श का पूर्णतः पालन कर रहा हूं। सभी कार्य वर्चुअली संपादित कर रहा हूं। इस बीच जो लोग भी मेरे संपर्क में आएं हैं वह अपनी जांच अवश्य करा लें और एहतियात बरतें।

सीएम योगी आदित्यनाथ का मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण टेस्ट कराया गया था। जिसकी आज मिली रिपोर्ट के अनुसार वह कोरोना पॉजिटिव हैं। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब लखनऊ में अपने सरकारी आवास में सेल्फ आइसोलेशन में गए हैं। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल, सचिव अमित सिंह, ओएसडी अभिषेक कौशिक भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री के सरकारी इसके अलावा मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग के दो स्टाफ भी कोरोना की चपेट में आए थे।

निश्चित रूप से चिंता की बात- सीएम योगी आदित्यनाथ के कोरोना पॉजिटिव होने पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह निश्चित रूप से चिंता की बात तो है ही। उनके कार्यालय में कई अफसरों की कोरोना वायरस रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने अपना भी टेस्ट कराया। रिपोर्ट आने के पहले भी वह इस संकट के समय में जनता के हित के बारे में लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहे थे। अभी भी वह वर्चअली हम लोगों के साथ बराबर सम्पर्क में हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमको पता चला तो हमने वार्ता की, उनकी आवाज भले ही भारी लग रही है, लेकिन वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। चिकित्सकों की टीम उनकी देखरेख में लगी है। हमको भरोसा है कि वह शीघ्र ही स्वस्थ होकर हमारे बीच में काम करेंगे।

वह पूरी तरह से फिट- उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि हमको जैसे ही पता चला कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कोरोना वायरस टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव है, हमने उनके सम्पर्क किया। वह सेल्फ आइसोलेशन में हैं। वह पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने कह कि हम तो बीते चार वर्ष से उनके साथ काम कर रहे हैं, कभी भी उनके साथ कोई भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं हुई है। वह सयमित जीवन तथा दिनचर्या का पालन करने वाले हैं। हम उनके शीघ्र ही स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन भी पॉजिटिव- योगी आदित्यनाथ सरकार में नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन ने संपर्क में आए सभी लोगों से कोरोनावायरस का टेस्ट और कोविड प्रोटोकाल का पालन करने का आग्रह किया है। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन गोपाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि कोरोना के प्रारंभिक लक्षण दिखने पर मैंने अपनी जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। डाक्टरों की सलाह पर मैं स्वयं को घर पर ही आइसोलेट कर लिया है। विगत दिनों मेरे सम्पर्क में आए हुए लोगों से अनुरोध है कि अपनी जांच करवा लें।

संक्षिप्त खबर

यूपी पंचायत चुनाव से पहले गुपचुप तरीके से गांव में आएगा कुख्यात धर्मेंद्र किरठल, बागपत पुलिस ने तलाश में जंगल में उड़ाए ड्रोन

बागपत । कुख्यात बदमाश धर्मेंद्र किरठल की तलाश में पुलिस ने घंटों किरठल के जंगल में कांबिंग की। इस दौरान ड्रोन की भी मदद ली गई, मगर कुख्यात की कोई लोकेशन नहीं मिल पाई। कार्यवाहक थाना प्रभारी करतार सिंह ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुख्यात धर्मेंद्र किरठल अपने गांव में चोरी छिपे कर चुनाव को प्रभावित कर सकता है।

इनपुट के आधार पर पुलिस ने धर्मेंद्र के ठिकानों की घेराबंदी की और किरठल के जंगलों में ड्रोन कैमरा उड़ाकर सर्चिंग अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि पचास हजारी धर्मेंद्र किरठल काफी दिनों से हत्या के मुकदमे में फरार चल रहा है और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा से ठीक पहले धर्मेंद्र किरठल की संपत्ति को कुर्क भी किया जा चुका है। खुफिया तंत्रों से लगातार इनपुट मिल रहा था कि कुख्यात धर्मेंद्र किरठल गांव के चुनाव को प्रभावित करने के लिए गुपचुप तरीके से किरठल गांव में आएगा। इसके आधार पर मंगलवार को किरठल गांव में जबरदस्त सर्च आपरेशन चलाया, जिसमे घरों की तलाशी के साथ-साथ जंगल में भी कुख्यात धर्मेंद्र किरठल को तलाशा गया।

पहले चरण में प्रयागराज में आज होगा मतदान, ब्लाकों से पोलिंग पार्टियां हो रहीं रवाना

प्रयागराज । यूपी पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान कल यानी गुरुवार 15 अप्रैल को है। त्रिस्तरीय पंचायत के पहले चरण में प्रयागराज में भी मतदान होगा। मतदान के लिए जिले के 23 ब्लाकों विकास खंड कार्यालयों से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जा रहा है। हालांकि कड़ी धूप में चुनाव कर्मियों की फजीहत भी है।

चुनाव सामग्रियों में इस बार कोरोना किट भी-कोरोना वायरस के संक्रमण काल में हो रहे पंचायत चुनाव में प्रयागराज में करीब 30 हजार कर्मचारी लगाए गए है। इन सभी कर्मचारियों को विकास खंड कार्यालय बुलाया गया है। वहां से इन कर्मचारियों को बैलेट बॉक्स के साथ पोलिंग बूथ पर भेजा जा रहा है। सुबह आठ बजे से यह प्रक्रिया शुरू हो गई है। ब्लाकों में चुनाव सामग्री का थैला पहले ही बना दिया गया है। इस थैले में इस बार कोरोना किट भी शामिल की गई है। पोलिंग बूथ पर भेजने से पहले कर्मचारियों को कोरोना का टीका लगाया गया है। साथ ही उनको मास्क और सैनिटाइजर दिया जा रहा है। उनको बताया जा है कि कोरोना की गाइडलाइन का पालन करते हुए ही चुनाव संपन्न कराएं। इस बार मतदान के लिए 11 घंटे का समय दिया गया है। बूथ पर निष्पक्ष मतदान करवा कर बैलेट बॉक्स को मतगणना स्थल पर जमा करवाना है। इस चुनाव के करीब 34 लाख मतदाता वोट देंगे।

बाराबंकी में मुख्तार अंसारी की एंबुलेंस पंजीयन करने वाले परिवहन कर्मी की तलाश में सक्रिय हुई पुलिस

बाराबंकी । बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के लिए फर्जी दस्तावेजों पर एंबुलेंस पंजीयन करने वाले मुख्तार की तलाश में अब पुलिस ने एआरटीओ में पंजीयन के लिए आवेदन वाली फाइल पर काम शुरू किया है। इस फाइल में एंबुलेंस पंजीयन संबंधित दस्तावेज हैं। इसमें भरे गए फार्मों पर हस्तलेख और हस्ताक्षर मिलान की दिशा में तफ्तीश का कदम बढ़ा है। जल्द ही मुख्तार तक पहुंचने की दिशा में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग सकता है।

बाराबंकी एआरटीओ में पंजीकृत बहुचर्चित मुख्तार अंसारी की एंबुलेंस यूपी-41 एटी 7171 को पंजीकृत कराने में जो आवश्यक फार्म भरे गए पुलिस उसे भरने वाले परिवहन कर्मी को तलाश रही है। गौरतलब है कि पुलिस के पास इस फाइल की पूरी छायाप्रति है। पहले फाइनेंस कंपनी की भूमिका जांची गई और जिस कंपनी की एंबुलेंस थी उसके कर्मचारियों से भी पूछताछ हुई, लेकिन पुलिस किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। आखिर फर्जी दस्तावेज बनवाने, पंजीयन का आवेदन करने और फाइनेंस करने आदि सब में मुख्तार का कौन सा गुर्गा आया था। पुलिस ने अब जांच का केंद्र पंजीयन फाइल को बनाया है। यह एंबुलेंस 2013 में पंजीकृत हुई थी। तत्कालीन एआरटीओ प्रशासन राजेश्वर यादव से भी पुलिस पूछताछ के लिए संपर्क कर रही है। फाइल में जो फार्म लगे हैं उसे किसने भरे थे। कार्यालय के संबंधित पटल व एक अन्य लिपिक की भूमिका पर जांच रही है। इस जरिए पुलिस उस व्यक्ति को चिन्हित करने में लग गई है जो बाराबंकी में पंजीकरण के लिए सक्रिय था। न केवल परिवहन कर्मियों से पूछताछ बल्कि उनका हस्तलेख भी मिलान कराया जाएगा।

सत्ता और संपत्ति के लिए ईश्वर व अल्लाह को भी ठगते रहे हैं लालू, भाजपा नेता सुशील मोदी ने कसा तंज

पटना । बिहार की राजनीति का कोई भी दिन राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के नाम के बगैर नहीं खत्म होता है। मंगलवार को भी लालू बिहार में छाए रहे। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने पिता की जेल से रिहाई के लिए रमजान में रोखा रखने का ऐलान किया तो भाजपा नेता, पूर्व उप मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने इसपर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ना ठीक से हिंदू हो पाये, न इस्लाम की शिक्षा ग्रहण कर पाए। कोई भी धर्म गरीबों-दलितों को सताने की इजाजत नहीं देता। दरअसल लालू के जेल जाने के बाद उनके घर छठ की रौनक नहीं दिखती है। इस पर भी सुशील मोदी ने तंज कसा। उन्होंने कहा आज जमानत पर उनकी रिहाई के लिए परिवार के जो सदस्य व्रत और रोजा, दोनों रखने करने की बात कर रहे हैं, वे दरअसल किसी भी उपासना पद्धति के प्रति ईमानदार नहीं हैं। उससे कुछ होने वाला नहीं। लालू परिवार सत्ता और संपत्ति के लिए ईश्वर-छठी मइया और अल्ला को भी धोखा देने की कोशिश करता रहा। लालू प्रसाद ने अपने कुशासन काल में बिहार के लाखों लोगों को पलायन के लिए मजबूर किया, अपराधियों का दुस्साहस बढ़ाया, सत्ता में बने रहने के लिए 100 से ज्यादा नरसंहार होने दिए, विकास को ठप कर लोगों को रोजगार से वंचित किया और मूक पशुओं के चारा तक में 1000 करोड़ का घोटाला किया। उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत जो सजा मिली है, उसे पूरा कर अपने किये का प्रायश्चित करना चाहिए। इधर, प्रदेश जदयू के मुख्य प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव में हार रहीं ममता बनर्जी और सदमा बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को लग रहा। बंगाल की जनता ममता बनर्जी को नकार रही है तो तेजस्वी यादव चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। जितनी परेशान ममता बनर्जी नहीं उससे अधिक परेशान तेजस्वी हैं।

संजय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की परेशानी इस बात को लेकर है कि वह अपना भविष्य देख रहे हैं। यही वजह से कि वह चुनाव आयोग का विरोध कर रहे हैं। दरअसल तेजस्वी यादव का अंदाज दोहरे चरित्र वाला है। जब वह जीत रहे होते हैं तो ईवीएम और चुनाव आयोग सभी सही और जब हार रहे होते हैं तो सारा दोष केंद्र और सरकार की एजेंसी का हो जाता है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव कोरोना संक्रमित, लखनऊ में होम आइसोलेट

लखनऊ । देश के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से पांव पसार चुके कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर की चपेट में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने खुद को होम आइसोलेशन में कर लिया है। इसके साथ ही उनके सम्पर्क में आए लोगों से अपना कोविड टेस्ट कराने की अपील की है।

लखनऊ में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यालय में कोरोना संक्रमण का टेस्ट कराने वाले अखिलेश यादव की बुधवार को रिपोर्ट आ गई है। यह बेहद निराश करने वाली रिपोर्ट है। अखिलेश यादव कोरोना पॉजिटिव हैं। रिपोर्ट आने के बाद उन्होंने लखनऊ में अपने निवास में होम आइसोलेट होने का फैसला किया है।

इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट से दी। अखिलेश यादव ने कहा कि अभी-अभी मेरी कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैंने अपने आपको सबसे अलग कर लिया है व घर पर ही उपचार शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों में जो लोग मेरे संपर्क में आये हैं, उन सबसे विनम्र आग्रह है कि वो भी जाँच करा

लें। उन सभी से कुछ दिनों तक आइसोलेशन में रहने की विनती भी है। अखिलेश यादव ने कहा कि मेरे सभी समर्थक और शुभचिंतक परेशान न हों। मैं स्वस्थ हूं, कोई चिंता की कोई बात नहीं है। सभी पैरामीटर नार्मल हैं। मुझे जुकाम और हल्की खांसी है। हम डॉक्टर के लगातार सम्पर्क में हैं और सभी को अपने स्वास्थ्य की जानकारी देते रहेंगे। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को भी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में लोगों की मदद करें। इसके साथ ही अपनी सेहत का ध्यान रखे। डॉक्टरों के लगातार संपर्क में रहे।

इससे पहले अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में कोरोना टेस्ट के लिए अपना सैंपल दिया था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में मंगलवार को अपना कोविड टेस्ट कराया था और उनको रिपोर्ट का इंतजार था। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव बीते दिनों उत्तराखंड दौरे पर थे। इस दौरान वह हरिद्वार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि के सम्पर्क में आए थे। महंत बाद में कोरोना पॉजिटिव पाए गए। महंत को ऋषिकेश के एम्स में भर्ती कराया गया है। अखिलेश यादव ने कल कोविड जांच के लिए सैंपल दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट से दी थी। कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल देने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के कहर से इन दिनों हाहाकार मचा है। ऐसी स्थिति क्यों हुई है, भाजपा सरकार को इस बात का जवाब देना होगा। पार्टी ने कोरोना पर नियंत्रण का झूठा ढिंढोरा पीटा है। प्रदेश में चारों ओर कोरोना टीका, कोरोना टेस्ट के साथ ही डॉक्टर, बेड, अस्पताल तथा एंबुलेंस की कमी दिख रही है। कोरोना टेस्ट रिपोर्ट में देरी होने के साथ ही दवाई की कालाबाजारी की जा रही है। इन सभी मामलों पर भाजपा सरकार चुप क्यों है।

बाबा साहेब के हर सपने को साकार करना सरकार की प्राथमिता- योगी

लखनऊ । कोरोना वायरस के संक्रमण में आए सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बाबा साहेब अंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालने के साथ सरकार की प्राथमिकता भी गिनाई।

अबेडकर महासभा के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना शेष है। बाबा साहेब जी ने सदैव शिक्षा पर ध्यान दिया। उन्होंने हमेशा वंचितों, गरीबों, दलितों का एक ही बात के लिए आह्वान किया कि अपनी पीढ़ी को शिक्षा से वंचित न होने दें। केंद्र के साथ हमारी सरकार इस दिशा में कार्य भी कर रही है। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब के सपनों को साकार करने का ही परिणाम है कि प्रदेश में बिना भेदभाव के व्यापक स्तर पर सामूहिक विवाह के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। हर प्रदेशवासी बिना भेदभाव केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों पर चलकर हम समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के सशक्तीकरण के लिए उनके प्रयास हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर जी के योगदान के लिए देशवासी सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में बाबा साहेब भारत के संविधान शिल्पी थे। समता, न्याय व बंधुता जिस भारत के संविधान के मूलभूत तत्व हैं, उन्हें भारत के प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समानता के कारण ही आज 14 करोड़ लोग राशन सुविधा का लाभ ले रहे हैं। छह करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत में स्वास्थ्य बीमा का कवर दिया गया। यह सभी बाबा साहब के सपनों को साकार करने का अभियान है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की जयंती हो या उनकी पुण्यतिथि, दोनों अवसरों पर आंबेडकर महासभा बाबा साहेब की स्मृतियों को जीवंत रखने के साथ-साथ उनके मूल्यों व आदर्शों के अनुरूप अनेक कार्यक्रम कराती है। मुझे प्रसन्नता है कि डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल जी के नेतृत्व में अबेडकर महासभा बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

बिहार के सीबीएसई परीक्षार्थी ध्यान दें- 10वीं की परीक्षा रद तो 12वीं की भी टली

पटना । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 10वीं व 12वीं के परीक्षार्थियों के लिए यह बड़ी खबर है। सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षा रद कर दी है तो 12वीं की परीक्षा टाल दी है। 12वीं की परीक्षा के शेड्यूल पर अब एक जून को फैसला होगा। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, शिक्षा सचिव और सीबीएसई बोर्ड के अधिकारियों के साथ बुधवार को हुई बैठक में लिया गया। इस फैसले का असर पूरे देश की तरह बिहार पर भी पड़ा है। राज्य के विद्यार्थियों में इसपर मिजी-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रहीं हैं।

10वीं के परीक्षार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर प्रमोशन

सीबीएसई ने चार मई से आरंभ होने जा रही अपनी 10वीं की परीक्षा को रद कर दिया है। 10वीं के विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। हालांकि, विद्यार्थी उपयुक्त समय पर आयोजित 10वीं की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार बोर्ड ने 12वीं की मई में होने वाली परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह परीक्षा उपयुक्त समय पर आगे ली जाएगी। इसपर फैसला आगामी एक जून को लिया जाएगा।

कई बोर्ड की परीक्षाएं फंसीं, बिहार बोर्ड दे चुका रिजल्ट

विदित हो कि कोरोनावायरस संक्रमण की दूसरी लहर की रोकथाम के लिए दूश के कई राज्यों में अनेक प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन्हें देखते हुए तथा बच्चो की सुरक्षा के मद्देनजर सीबीएसई की परीक्षाओं को स्थगित या रद करने की मांग की जा रही थी। कुछ राज्यों ने पहले ही 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। बिहार की बात करें तो बिहार बोर्ड ने इसी दौरान न केवल परीक्षा ली, बल्कि रिजलट भी जारी कर दिया है।

भगवान की शरण में लालू परिवार : रोहिणी ने रखा रोजा तो बाबाधाम गए तेजस्वी, मां दुर्गा की पूजा कर रहे तेज प्रताप

पटना । राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की चारा घोटाला के दुमका कोषागार मामले में रांची हाईकोर्ट में जमानत पर सुनवाई 16 अप्रैल को है। इसके पहले पूरा लालू परिवार भगवान की शरण में चला गया है। लालू की बेटी राहिणी आचार्य रमजान के महीने में रोजा रखने के साथ चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा भी कर रहीं हैं। लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी मां दुर्गा की पूजा कर रहे हैं। इस बीच छोटे बेटे व बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने झारखंड के देवघर में भगवान भोलेनाथ की पूजा की है।

बेटी रोहिणी कर रहीं मां दुर्गा की पूजा, रखा रोजा

लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य पिता की जमानत एवं सेहत के लिए मां दुर्गा की पूजा के साथ रमजान का रोजा भी रख रहीं हैं। रोहिणी ने सोमवार को ही ट्वीट कर बताया था कि वे पिता के स्वास्थ्य और जेल से रिहाई के लिए रोजा रखेंगी। उन्होंने लिखा था कि वे पिता की सेहत में सुधार और उन्हें जल्दी न्याय मिलने के लिए दुआ करेंगीं। साथ ही देश में अमन-चैन के लिए भी ईश्वर व अल्लाह से कामना करेंगीं। अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा था कि उनके अंदर इतनी हिम्मत है कि वे रोजा रखने के साथ चैत्र नवरात्र भी पूरी निष्ठा के साथ कर सकती हैं। इसी बीच झारखंड के मधपुर में हो रहे विधानसभा उपचुनाव को लेकर मंगलवार को वहां पहुंचे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव देवघर गए। वहां उन्होंने भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर बाबा धाम में पूजा-अर्चना की।

लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी पटना के अपने सरकारी आवास पर मां दुर्गा की पूजा में लीन हैं। चैत्र नवरात्र के अवसर पर उन्होंने मां दुर्गा की पूजा शुरू की है। तेज प्रताप भी अपनी पूजा में पिता की जमानत व अच्छी सेहत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

नवजोत सिद्धू के अगले सियासी ठिकाने पर कयासबाजी तेज, भगवंत मान के बयान के बाद चर्चाएं गर्म

चंडीगढ़ । पंजाब में अगले साल होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर चर्चाओं का बाजार फिर गर्म हो गया है। सिद्धू के अगले राजनीतिक ठिकाने के बारे में कयासबाजी तेज हो गई है। उनके आम आदमी पार्टी से तार फिर जुड़ने की संभावनाओं की चर्चाएं फिर हो रही है और इसे बल मिला है पंजाब आप के प्रधान भगवंत मान के बयान से मिला है। मान ने कहा कि सिद्धू का आम आदमी पार्टी में स्वागत करेंगे। इसके साथ ही पंजाब की कांग्रेस सरकार पर सिद्धू लगातार सवाल कर रहे हैं। ये उनके नए सियासी कदम के संकेत दे रहे हैं।

बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू कांग्रेस में काफी दिनों से उपेक्षित हैं। पिछले दिनों पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत ने उनको फिर से पार्टी में सक्रिय करने और उनको मुख्यधारा लाने की कोशिश की, लेकिन यह सिरे चढ़ता नहीं दिखा। सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह से दो बार की मुलाकात के बावजूद उनकी राज्य कैबिनेट में वापसी नहीं हुई। सिद्धू कांग्रेस की राज्य प्रधानगी भी चाहते थे, लेकिन इसकी उम्मीद न के बराबर दिख रही है। ऐसे में उनके सियासी करियर को लेकर कयासबाजी होने लगी।इस बीच सिद्धू के तेवर फिर तीखे होते दिखाई दिए। किसानों के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधने के साथ ही सिद्धू ने पंजाब की अपनी पार्टी की सरकार पर भी सवाल खड़े किए। इसके बाद उनके अगले सियासी पड़ाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। यह उनके मंगलवार को अचानक बुर्ज जवाहर सिंह के दौरे और बेअदबी मामले को उठाने के खास मायने लगाए जा रहे हैं। इसी बीच, मंगलवार को पंजाब आप के प्रधान भगवंत मान के सिद्धू का आम आदमी पार्टी में स्वागत करने के बयान से चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भी नवजोत सिंह सिद्धू के आम आदमी पार्टी का झाड़ू थामने की चर्चाएं चली थीं और इसे लगभग तय माना जा रहा था। माना जाता है कि सीएम पद की उम्मीदवारी को लेकर गतिरोध पैदा हो गया था और सिद्धू ने कांग्रेस में एंट्री ले ली थी। अब 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले फिर नवजोत सिंह सिद्धू के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की चर्चाएं जोर पकड़ रही है। लेकिन, फिर बड़ा सवाल है कि क्या आप उनको विधानसभा चुनाव में अपना सीएम चेहरा बनाएगी।

रूपनगर में भगवंत मान ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू आम आदमी पार्टी में आते हैं, तो उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद उनको सीएम चेहरा के रूप में प्रस्तुत करने का फैसला पार्टी हाईकमान करेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी सीएम का चेहरा चुनाव से पहले और पंजाब से ही देगी। मान ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पहाड़ी राजा बताते हुए कहा कि वह

प्रयागराज में कोविड -19 मामलों में चल रही स्पाइक के बीच यात्री अपने मूल स्थानों पर जाने के लिए बस में चढ़ते हुए।

काशी विश्वनाथ मंदिर एवं संकटमोचन मंदिर में दर्शन के लिए आरटीपीसीआर निगेटिव की टेस्ट रिपोर्ट जरूरी

वाराणसी । कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए एकमिश्नर ने कहा है कि जरूरी न हो तो वाराणसी न आएं। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बढ़ते कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जन सामान्य से अपील की है कि वाराणसी आने से फिलहाल अवॉइड करें। यदि कोई जरूरी कार्य न हो तो आसपास के जनपदों से लोग वाराणसी न आएं और अपने घरों पर ही रहें।

कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शनार्थ आने वाले भक्तों का तीन दिन पूर्व का कोरोना का आरटीपीसीआर टेस्ट निगेटिव होना चाहिए, अन्यथा उन्हें मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस बाबत एडवायजरी जारी होने के बाद से ही लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण और इसकी भयावहता को लेकर चिंता होने लगी है।

व्यवस्था संकटमोचन मंदिर में भी लागू- सकटमोचन मंदिर में दर्शनार्थ आने वाले भक्तों को तीन दिन पूर्व का कोरोना का आरटी पीसीआर नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य किया गया है। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि संकटमोचन मंदिर में दर्शनार्थ आने वाले भक्तों का तीन दिन पूर्व का कोरोना का आरटी पीसीआर टेस्ट निगेटिव होना चाहिए, अन्यथा उन्हें मंदिर परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

वाराणसी जिले में आगमन की एडवाइजरी- देश विदेश से वाराणसी आने का कार्यक्रम बनाने वाले सभी व्यक्तियों और यात्रियों से अपील की गई है कि वाराणसी में अभूतपूर्व कोविड संक्रमण फैल जाने की वजह से अप्रैल के पूरे महीने में वाराणसी ना आएं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भी सूचित किया गया है कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भी दिनांक 14 अप्रैल से प्रवेश के लिए कोविड नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट आवश्यक कर दी गई है, इसके बिना प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बाहरी प्रदेशों से आने वाले यात्रियों को शहर में ठहरने के लिए भी शीघ्र कोविड नेगेटिव रिपोर्ट की व्यवस्था लागू की जाएगी।

बुधवार को भी रिपोर्ट चिंताजनक

बुधवार को 828 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जबकि 9607 लोग इस समय कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। जबकि आधिकारिक तौर पर 405 लोगों की कोरोना वायरस की वजह से मौत हो चुकी है। कुल 23280 लोग अब तक इस महामारी से पूरी तरह उबर चुके हैं। वहीं 6270 लोगों की रिपोर्ट आनी शेष है।

कलाकार सोनितपुर जिले के तेजपुर में रोंगाली बिहू मनाने के लिए पारंपरिक बिहू नृत्य करते हुए।

अहमदाबाद में कोरोनावायरस मामलों में स्पाइक के बीच कारों को कोविड-19 परीक्षण के माध्यम से कतार में खड़ा किया गया।

एक पुलिस अधिकारी मुंबई में लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर ट्रेनों की प्रतीक्षा कर रही भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश करते हुए।

एक नजर

लॉकडाउन की आहट के बीच सेंट्रल रेलवे की अपील- पैनिक न हो, चलती रहेंगी ट्रेनें

नई दिल्ली । कोरोना महामारी की नई लहर से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। एक दिन में 1.84 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं। गंभीर हो रहे हालात को देखते हुए महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी सख्त पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। पीछले साल की तरह पैदा हो रहे हालात को देखते हुए कामगार एक बार फिर से अपने घरों की तरफ निकल पड़े हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो रही है। इसके देखते हुए सेंट्रल रेलवे ने लोगों से पैनिक ना करने की अपील की है। सेंट्रल रेलवे ने ट्वीट कर लोगों से अनुरोध किया है कि वे पैनिक न करें, स्टेशनों पर भीड न लगाए और केवल 90 मिनट पहले ही स्टेशन पर पहुंचे। रेलवे वेटिंग लिस्ट को पर लगातार निगाह रखे है जैसी आवश्यकता होगी अतिरिक्त स्पेशल ट्रेने चलाई जाएंगी।

मध्य रेलवे ने कहा कि लगातार समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। लोगों को यह भी स्पष्ट किया जाता है कि लंबी दूरी की घोषित नियमित और स्पेशल ट्रेनें चलती रहेंगीं। इन सभी स्पेशल ट्रेनों में कोविड-19 के नियमों और मानदंडों के पालन हेतु केवल कन्फर्म टिकट धारक यात्रियों को ही ट्रेन में बोर्डिंग की अनुमति है। अब तक, मध्य रेल द्वारा 230 समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है बता दें कि भारत में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 1,84,372 नए मामले सामने आए हैं और 1027 लोगों की मौत हुई है। हालांकि इस दौरान 82,339 लोग कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए हैं। भारत में अबतक कोरोना के कुल 1,38,73,825 पॉजिटिव मामले सामने चुके है जिनमें 13,65,704 ऐक्टिव केस हैं। अबतक कुल 1,23,36,036 कोरोना संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं जबकि 1,72,085 लोगों को कोरोना की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी है।

मुस्लिम महिला को है रिवर्स तलाक की आजादी, हाई कोर्ट ने सुनायाअहम फैसला

नई दिल्ली। एक मुस्लिम महिला के अदालत के बाहर अपने पति को एकतरफा तलाक देने का अधिकार है, जिसे खुला कहा जाता है। केरल हाईकोर्ट ने इसे कानूनी रूप से वैध माना है। न्यायमूर्ति ए मुहम्मद मुस्ताकीम और न्यायमूर्ति सीएस डायस की खंडपीठ ने मुस्लिम पुरुषों के लिए उपलब्ध तालक के अधिकार के लिए कुला की बराबरी की। इसके लिए 1972 के फैसले (केसी मोयिन बनाम नफ़ीसा और अन्य) को गलत ठहराया, जिसमें मुस्लिम महिलाओं को ऐसे अधिकार से वंचित रखा गया। 1972 के फैसले में एक एकल पीठ ने कहा था कि एक मुस्लिम महिला अपने पति को अदालत से बाहर तलाक नहीं दे सकती है। मुस्लिम पुरुषों को इस माध्यम से तलाक देने की अनुमति है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि महिलाओं को मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम 1939 के तहत कोर्ट का रास्ता अपनाना आवश्यक है। अपील की एक बैच पर विचार करने के बाद, डिवीजन बेंच ने कहा कि DMMA केवल फास्ख को नियंत्रित करता है। अदालत इसमें दिए गए कारणों की वैधता पर अपना फैसला सुनाता है। अदालत ने कहा कि अतिरिक्त न्यायिक तलाक के अन्य तरीके (तल्ख-ए-तफ़विज़, खुला, और मुबारत) मुस्लिम महिला के लिए उपलब्ध हैं, जैसा कि शरीयत अधिनियम की धारा 2 में इसका जिक्र है। तालाक-ए-तफ़वीज़ एक अनुबंध पर आधारित है और पति द्वारा अनुबंध की शर्तो का उल्लंघन करने पर पत्नी तलाक प्राप्त कर सकती है। Mubara'at में आपसी सहमति से अलग होने का प्रावधान रहा है। अदालत ने कहा, खुला तलाक का एक रूप है जो पत्नी को पति की तरह तलाक देना का अधिकार देता है। तलाक के एक रूप के रूप में खुला की मान्यता सीधे पवित्र कुरान से उपलब्ध है। अध्याय ।। छंद 228-229 में इसका जिक्र है। कुरान पति और पत्नी दोनों को तलाक देने का अधिकार देता है। अदालत ने कहा कि पति की सहमति प्राप्त करना इसमें जरूरी नहीं है। पत्नी को डावर वापस करने की बाध्यता निष्पक्षता के सिद्धांत पर आधारित है जिसे मुस्लिम कुरान में देखने की आज्ञा है। अदालत ने कहा कि अगर पत्नी ने मेहर लौटाने से इनकार कर दिया, तो पति अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है।

असम कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशियों ने ख्वाजा की दरगाह पर माथा टेका, पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर के किए दर्शन

अजमेर । राजस्थान में आए असम कांग्रेस गठबंधन के चुनाव प्रत्याशियों ने ख्वाजा गरीब नवाज हजरत मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में माथा टेका और अकीदत की। चादर व पुष्प पेश कर मन्नत का धागा बांधा। तीर्थराज पुष्कर पहुंच कर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन किए। मंगलवार शाम कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष बस से अजमेर पहुंचे। सभी प्रत्याशियों को बस से पहले अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह और फिर तीर्थनगरी पुष्कर ले जाया गया। हाल ही में असम में हुए चुनाव के लिए मतदान के बाद असम कांग्रेस गठबंधन की सहयोगी पार्टी एआईयूडीएफ से जुड़े 17 सदस्यों को अजमेर में धार्मिक भ्रमण कराया गया। दल ने दरगाह शरीफ पहुंचकर गरीब नवाज की बारगाह में मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश करके मकसद में सफलता की कामना की।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान घेराबंदी पुलिस की बनी रही। खादिम मुकद्दस मोईनी ने सभी को जियारत कराई तथा अंजुमन की ओर से दस्तारबंदी कर तवर्रुक भेंट किया। इस दौरान राज्य के कांग्रेसी नेता खानूखान बुधवाली तथा प्रदेश कांग्रेस की उपाध्यक्ष नसीम अख्तर इंसाफ के पति इंसाफ अली भी मौजूद रहे। दल के सदस्यों ने पुष्कर पहुंचकर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

गौरतलब है कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत कांग्रेस के बाड़ेबंदी एक्सपर्ट मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अपने ही नेताओं को कैद करने की जादूगरी उनसे अच्छी कोई नहीं कर सकता। जोधपुर सांसद शेखावत ने शनिवार को ट्वीट कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कटाक्ष किया। शेखावत ने कहा कि असम में अभी नतीजे आए नहीं हैं और कांग्रेस को हार का भूत डराने लगा है। असम के अपने और सहयोगी दल के प्रत्याशियों को राजस्थान लाकर कांग्रेस ने फिर बाड़ेबंदी का सहारा लिया है। वैसे मुख्यमंत्री जी का मुख्य काम यही है। फाइव स्टार सेवाओं का बाड़ा बनाकर अपने ही नेताओं को कैद करना। शेखावत ने तंज कसते हुए कहा कि इस बार तो दूसरी पार्टी के नेताओं को भी बंदी बना लिया गया है। गहलोत को कांग्रेस का जेलर कहना ही सही होगा। वो अब अपने ही नेताओं पर जादूगरी से कैद करने में महारथ हासिल कर चुके हैं।

कोरोना ने तोड़े अबतक के सभी रिकॉर्ड, एक दिन में 1 लाख 85 हजार नए केस, 1025 मौत से खौफ

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर लगातार नए-नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है। देश में मंगलवार रात तक संक्रमण के 185,248 नए मामले दर्ज किए गए। यह महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक एक दिन में मिलने वाले नए संक्रमितों का सर्वाधिक आंकड़ा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस अवधि में 1025 लोगों की मौत हो गई। अब तक के कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,38,70,731 हो गई है। कोरोना से पीड़ित लोगों के ठीक होने की दर और गिरकर 89.51 प्रतिशत रह गई है।

आंकड़ों के मुताबिक, महामारी से मरने वालों की कुल संख्या 1,72,114 हो गई है। उपचाराधीन लोगों की संख्या भी बढ़कर 13,60,330 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 9.24 प्रतिशत है। अब तक 1,23,32,636 कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं, कोरोना मृत्यु दर 1.25 प्रतिशत है। देश में 24 घंटों के दौरान जिन 1025 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई है उनमें से 281 महाराष्ट्र से, 156 छत्तीसगढ़ से, 61 कर्नाटक से, 85 उत्तर प्रदेश से और 81 दिल्ली के लोग हैं।

25.9 करोड़ जांच- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुताबिक, 12 अप्रैल तक 25,92,07,108 नमूनों की जांच की जा चुकी है जिनमें से 14,00,122 नमूनों की जांच सोमवार को की गई।

यूपी समेत चार राज्यों में 58 फीसदी नए मामले- देश में एक दिन में सामने आ रहे संक्रमण के नए मामलों में ज्यादातर मामले 10 राज्यों से हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और केरल में प्रतिदिन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 60,212 नए मामले दर्ज किए गए। इसके बाद 18,021 मामले उत्तर प्रदेश में, 15,121 मामले छत्तीसगढ़ में और दिल्ली में 13,468 नए मामले सामने आए हैं। इन चार राज्यों में कुल नए संक्रमितों में 57.9 फीसदी योगदान है।

राजस्थान में कोरोना दर करीब 22 प्रतिशत हुई- राजस्थान में वैश्विक महामारी कोरोना की दूसरी लहर तेजी से फैलने से करीब दो सप्ताह में संक्रमण की दर बढ़कर करीब 22 प्रतिशत तक पहुंच गई है। गत 1 अप्रैल तक कोरोना की दूसरी लहर में नए मामले एक दिन में एक हजार को पार गए थे और इसके बाद लगातार बढ़ते हुए सोमवार तक यह 5771 तक पहुंच गए। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। गत एक अप्रैल को 1350 नए मामले आने से संक्रमण की दर 3. 68 प्रतिशत थी जो 12 अप्रैल को बढ़कर 21.92 प्रतिशत तक पहुंच गई।

आंध्र प्रदेश में कोरोना के 4,228 नए मामले - आंध्र प्रदेश में मंगलवार को कोविड-19 के 4,228 नए मामले सामने आए, जो पिछले छह महीने में प्रतिदिन के सबसे ज्यादा मामले हैं। राज्य में कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या भी बढ़कर 25,850 हो गई, जो 30 अक्तूबर के बाद से सबसे ज्यादा है। एक स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया कि पिछले 24 घंटे में मंगलवार सुबह नौ बजे तक 1,483 मरीज ठीक हो गये, जबकि 10 मरीजों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 9,32,892 हो गई है, जबकि कुल 8,99,721 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। वहीं, 7,321 मरीजों की मौत हो गई।

बैन हटते ही कूच बिहार पहुंचीं ममता बनर्जी, मृतकों के परिजनों को दिया चुनाव बाद मदद का भरोसा

कूच बिहार । चुनाव आयोग की ओर से प्रचार करने पर 24 घंटे की रोक हटते ही टीएमसी की मुखिया ममता बनर्जी बुधवार को कूच बिहार में फायरिंग में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करने पहुंचीं। सीएम ममता बनर्जी ने लोगों के बीच जाकर मृतकों के परिजनों से बातचीत की और संवेदना प्रकट की। एक मृतक युवक के परिजन ने ममता बनर्जी के आने पर खुशी जताई और कहा है कि उन्होंने हमें मदद करने का वादा किया है। परिजन ने कहा, दीदी, हमसे मुलाकात करने के लिए पहुंचीं। उन्होंने हमें चुनाव खत्म होने के बाद मदद करने का वादा किया है। उन्होंने संवेदना प्रकट की और ढांढस बंधाया। हम उन पर भरोसा करते हैं।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को ही यह ऐलान कर दिया था कि बैन हटते ही बुधवार सुबह वह कूच बिहार जाएंगी। इससे पहले आयोग ने उन्हें कूच बिहार जाने से रोक दिया था। दरअसल चौथे चरण की वोटिंग के दौरान कूच बिहार के सितालकुची में भीड़ ने केंद्रीय बलों पर हमला कर दिया था। इस दौरान सीआईएसएफ के जवानों ने फायरिंग कर दी थी, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी। चुनाव आयोग ने इस मामले में सुरक्षा बलों के हवाले से बताया था कि जवानों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी क्योंकि भीड़ में शामिल लोगों के पास धारदार और घातक हथियार मौजूद थे।

बता दें कि चुनाव आयोग की ओर से प्रचार पर एक दिन के बैन के खिलाफ ममता बनर्जी ने मंगलवार को धरना भी दिया था। इस दौरान वह पेंटिंग बनाती नजर आई थीं। मुस्लिम मतदाताओं से एकजुट होकर वोटिंग की अपील के चलते चुनाव आयोग ने उन पर बैन लगा दिया था। आयोग ने उन पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया था। उनके अलावा बीजेपी के राहुल सिन्हा पर भी आयोग ने दो दिन का बैन लगाया है।

रफ्तार पकड़ेगा दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

नई दिल्ली । देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण को काबू में करने के लिए केंद्र सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। इसके तहत गत दिवस जहां रूस की स्पुतनिक-वी वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की इजाजत दे दी गई, वहीं मंगलवार को विदेश में उत्पादित अन्य सभी वैक्सीन के लिए देश के दरवाजे खोल दिए गए। केंद्र सरकार के इस निर्णय से दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की रफ्तार और तेज हो सकेगी।

दो वैक्सीन का हो रहा इस्तेमाल- देश में फिलहाल सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड व भारत बायोटेक की कोवैक्सीन लगाई जा रही है। इनकी अब तक 10.8 करोड़ से ज्यादा खुराक का वितरण किया जा चुका है। भारत जरूरतमंद 70 से अधिक देशों को वैक्सीन की छह करोड़ से ज्यादा खुराक प्रदान कर चुका है। देश में टीकाकरण अभियान रफ्तार पर है। इसके साथ ही कुछ राज्यों से वैक्सीन की किल्लत की शिकायतें भी आने लगी हैं। इसे देखते हुए सीरम व भारत बायोटेक उत्पादन बढ़ाने में जुटी हैं। चार और वैक्सीन कतार में- देश में अगले कुछ महीनों में चार और वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल की इजाजत मिलने की उम्मीद है। इनमें जॉनसन एंड जॉनसन (बायोलॉजिकल ई), नोवावैक्सीन (सीरम इंस्टीट्यूट) और जायडस कैडिला की वैक्सीन शामिल हैं। इनके अलावा भारत बायोटेक ने नाक से दी जाने वाली वैक्सीन भी विकसित की है, जिसका ट्रायल चल रहा है। जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन को 40 देशों में इस्तेमाल की इजाजत मिल चुकी है। वायरल वेक्टर आधारित यह वैक्सीन अमेरिका में 72 फीसद व वैश्विक तौर पर 66 प्रतिशत असरदार मानी गई। इसकी सिर्फ एक खुराक लेनी होगी। इसे 2-8 डिग्री सेल्सियस तापमान पर तीन महीने और माइनस चार डिग्री सेल्सियस पर दो साल तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

जल्द उपलब्ध होगी स्पुतनिक-वी- सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी और दवा नियामक डीसीजीआइ ने रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी के आपातकालीन इस्तेमाल को हरी झंडी दे दी है। यह 91.6 फीसद तक कारगर पाई गई है। अब तक 59 देशों में इस वैक्सीन के इस्तेमाल इजाजत मिल चुकी है। द रशियन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड (आरडीईएफ) ने भारत में इस वैक्सीन के उत्पादन और उपयोग के लिए पिछले साल सितंबर में डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज से करार किया था। जानकारों का कहना है अप्रैल के अंत तक सीमित मात्रा में यह वैक्सीन लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है। दोनों कंपनियों की एमआरएनए तकनीक पर आधारित वैक्सीन कोरोना के खिलाफ 95 फीसद तक प्रभावी मानी गई हैं। इनकी भी दो खुराक लेनी लेनी होगी।

भाई-बहन हैं नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी, दोनों में कोई अंतर नहीं: असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली । बंगाल में विधानसभा चुनाव का घमासान अपने चरम पर है। इस बीच एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दोनों भाई-बहन हैं और दोनों में कोई अंतर नहीं है। पीएम मोदी और ममता पर हमला करते हुए ओवैसी ने कहा कि दोनों एक ही सिक्के को दो पहलू हैं।

बंगाल के आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि ममता बनर्जी और नरेंद्र मोदी में कोई अंतर नहीं है। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने आगे कहा, नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी भाई-बहन हैं, जो अपने बयानों से लोगों को मुर्ख बना रहे हैं।

टीएमसी की अगुवाई वाली पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मैं टीएमसी को चुनौती देता हूं कि वे बताएं कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने मुसलमानों के लिए की क्या किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहले चार चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है।

पांचवें चरण में बंगाल की 45 विधानसभा सीटों पर 17 अप्रैल को चुनाव होने हैं। वहीं छठे चरण का चुनाव 22 अप्रैल को होगा। मतों की गिनती 2 मई को होगी। इस चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर दिख रही है, हालांकि, कई विश्लेषकों का मानना है कि वाम और कांग्रेस गठबंधन भी इस लड़ाई में है और मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है।

फिर से होने लगी घर वापसी, कोरोना बढ़ने से रेलवे पर बढ़ रहा है यात्रियों का दबाव, स्टेशनों पर उमड़ रही भारी भीड़

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ शहरों से अपने गांव की तरफ लौटने वाले यात्रियों की भीड़ से रेलवे पर दबाव बढ़ने लगा है। हालांकि रेलवे ने पहले से ही गर्मियों के मौसम के मद्देनजर बहुत बड़ी संख्या में ट्रेनों को चलाने की तैयारी कर रखी है। रेलवे एक ही दिन बड़ी संख्या में लोगों के स्टेशन आने पर भी नजर रखे हुए हैं। उसने अभी साफ कर दिया है कि अगर राज्य सरकारें चाहें तो वह विशेष श्रमिक ट्रेनें भी चलाने को तैयार है।

पिछले एक हफ्ते से दिल्ली, मुंबई और गुजरात के विभिन्न शहरों से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान की तरफ जाने वाले यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिस तरह से विभिन्न राज्यों में आंशिक या कुछ दिनों के लिए अलग क्षेत्रों में लॉकडाउन लगाए जा रहे हैं, उससे घबराए मजदूर अपने घरों की तरफ लौट रहे हैं। सबसे ज्यादा दबाव मुंबई के स्टेशनों पर देखा जा रहा है, हालांकि पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे ने पहले से ही काफी तैयारी कर रखी है। लेकिन एक ही दिन अचानक भीड़ से उनको भी दिक्कतें आ रही हैं। वेट लिस्ट बढ़ने पर अतिरिक्त ट्रेनों को चलाने की तैयारी भी है, लेकिन अनारक्षित यात्रियों के पहुंचने से भीड़ बढ़ रही है।

ऐसे में रेलवे राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाए हुए है और उसकी कोशिश है कि एक समय में स्टेशन पर ज्यादा भीड़ न हो। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर राज्य सरकारें चाहेंगी तो रेलवे पिछली साल की तरह श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाने को भी तैयार है। हालांकि अभी वैसी स्थिति नहीं है। इस बीच रेलवे ने पिछले साल तैयार किए अपने विशेष आइसोलेशन कोच को भी तैयार कर रखा है ताकि अगर राज्य सरकार मांग करती हैं तो विभिन्न स्टेशनों पर उनको भी उपलब्ध कराया जा सकेगा।

कार चलाते वक्त मिली कोरोना होने की सूचना, महिला ने मार दी पोल में भयंकर टक्कर

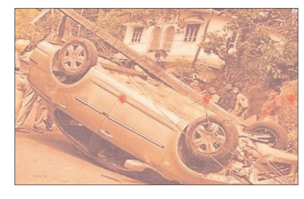

कोल्लम । केरल में कोरोना वायरस का एक महिला को ऐसा सदमा लगा कि अनियंत्रित होकर उसने अपनी कार एक इलेक्ट्रिक पोल में ठोक दी। केरल के कोल्लम जिले के कडक्कल में 40 वर्षीय महिला को जब यह पता चला कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई है तो उसको गहरा सदमा लगा और उसने अनियंत्रित होकर अपनी कार को इलेक्ट्रिक पोल में जाकर टकरा दी। यह घटना सोमवार की करीब सुबह दस बजे की है। हालांकि, इस घटना में महिला की जान बच गई। घायल महिला करीब एक घंटे तक सड़क पर बैठी रही और इलाज का इंतजार करती रही, मगर एक भी एंबुलेंस उसे अस्पातल ले जाने के लिए तैयार नहीं था। पोल में कार की टक्कर इतनी भयंकर थी कि गाड़ी पलट गई। बताया जा रहा है कि 40 वर्षीय महिला कोल्लम के आंचल इलाके से एक प्राइवेट लैब से अपने घर की ओर लौट रही थी, तब यह घटना घटी।

सूत्रों के हवाले से कहा कि गाड़ी चला रही महिला को जब कोरोना पॉजिटिव होने की खबर मिली तो वह पैनिक हो गई और उसका गाड़ी से नियंत्रण खत्म हो गया। महिला को इस घटना में मुंह पर भी चोटें आई हैं। महिला अपने घर जा रही थी और अच्छी बात यह रही कि उसने अपने दोनों बच्चों को एक रिलेटिव के घर पर छोड़ रखा था। घटना के बाद फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने महिला को एक पीपीई किट पहनने को दिया। अधिकारियों ने कहा कि कोरोना मरीजों को ट्रांसपोर्ट करने केलिए फायर एंबुलेंस की इजाजत हमें नहीं है। इसके बाद घायल महिला का ही एक पड़ोसी अपनी कार से आाया और उसे अस्पताल ले गया।

चलाते रहें हाथ-पैर! आलसी लोगों के कोरोना से मरने की आशंका होती है ज्यादा

नई दिल्ली । दुनिया में कोरोना के दूसरी और कई देशों में तीसरी लहर ने तबाही मचा दी है। भारत में भी इसका प्रकोप साफ तौर पर देखा जा सकता है। आज भी करीब 1.85 लाख नए मामले सामने आए हैं। एक रिसर्च में पता चला है कि आलसी लोगों की कोरोना से मौत की संभावना सबसे अधिक होती है। इसलिए जरूरी है कि इस कठिन समय में आप खुद को फिट रखने और इस महामारी से बचने के लिए नियमित व्यायाम करें।

ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के इस रिसर्च में करीब 50,000 लोगों को शामिल किया गया। रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना रोगियों में व्यायाम की कमी के कारण अधिक गंभीर लक्षणों और मृत्यु की जोखिम अधिक होती है। इसमें शामिल शोधकर्ताओं का कहना है कि महामारी से दो साल पहले तक शारीरिक रूप से निष्क्रिय लोगों के अस्पताल में दाखिल करने की नौबत, अतिरक्त देखभाल की आवश्यक्ता और मरने की संभावना अधिक होती थी।

रिसर्च में यह निष्कर्ष निकला है कि कोरोना महामारी के लिए धूम्रपान, मोटापा या उच्च रक्तचाप जैसे अन्य जोखिम कारकों की तुलना में शारीरिक निष्क्रियता सबसे मजबूत जोखिम कारक है। आपको बता दें कि इससे पहले तक बढ़ती उम्र, मधुमेह, मोटापा और हृदय रोग से ग्रस्त लोगों में कोरोना संक्रमण का खतरा अधिक था। हालांकि अब तक एक गतिहीन जीवन शैली को इसमें शामिल नहीं किया गया था।

यह देखने के लिए कि क्या व्यायाम की कमी से गंभीर संक्रमण, अस्पताल में भर्ती होने, गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में प्रवेश करने और मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है, शोधकर्ताओं ने जनवरी और अक्टूबर 2020 के बीच कोरोना से संक्रमित संयुक्त राज्य में 48,440 वयस्कों की जानकारी इसमें शामिल किया। रोगियों की औसत आयु 47 थी और पांच में से तीन महिलाएं थीं। मोटापे के लिए दहलीज से ठीक ऊपर, उनका मास-बॉडी इंडेक्स 31 था।

लगभग आधे में कोई बीमारी नहीं थी, जैसे कि मधुमेह, पुरानी फेफड़ों की स्थिति, हृदय या गुर्दे की बीमारी या कैंसर। लगभग 20 प्रतिशत युवक इनमें से किसी एक से ग्रसिथ थे। 30 प्रतिशत से अधिक लोग दो बीमारी से ग्रसित थे। सभी रोगियों ने आउट पेशेंट क्लीनिकों में मार्च 2018 और मार्च 2020 के बीच कम से कम तीन बार नियमित शारीरिक गतिविधि के अपने स्तर की रिपोर्ट की थी।

इनमें 15 प्रतिशत ने खुद को निष्क्रिय (प्रति सप्ताह शारीरिक गतिविधि के 0-10 मिनट) होने की जानकारी दी। लगभग 80 प्रतिशत ने कुछ गतिविधि (11-149 मिनट / सप्ताह) की सूचना दी। सात प्रतिशत राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अनुसार खुद को फिट बताया। इनमें से ऐसे युवक जो शारीरिक रूप से स्थुल थे, उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना दोगुना से अधिक थी। उनमें गहन देखभाल की संभावना 73 प्रतिशत अधिक थी। संक्रमण के कारण मरने की संभावना 2.5 गुना अधिक थी।

अमृता ने वेल डन बेबी पर काम करने का अपना अनुभव किया साझा !

अमेजॅन प्राइम वीडियो पर मराठी फिल्म 'वेल डन बेबी' की रिलीज अब महज कुछ ही दिनों की दूरी पर है। पुष्कर जोग और वंदना गुप्ते के साथ-साथ इस हल्की-फुल्की फैमिली ड्रामा में लोकप्रिय मराठी फिल्म अभिनेत्री अमृता खानविलकर भी हैं, जो एक बार फिर से अविस्मरणीय परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। मीरा की भूमिका को चित्रित करते हुए, अमृता एक ऐसी महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसे अपनी शादी में आई मुश्किलों से निपटने के दौरान, एक अनएक्सपेक्टेड प्रेग्नेंसी के बारे में पता चलता है। फिल्म की शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, अमृता कहती हैं, ''वेल डन बेबी एक बहुत ही खास कहानी है। यह रिश्तों को एक बहुत अलग नजरिए से देखने के लिए मजबूर कर देती है। इसने मुझे यह भी समझाया कि कैसे हमारे द्वारा लिया गया हर फैसला, हमारे जीवन को प्रभावित करता है और उसी की साथ हमारा रिश्ता भी विकस करता है। फिल्म में मेरा किरदार, मुझसे काफी मिलता-जुलता है। मैं उससे बहुत अच्छे से संबंधित महसूस कर सकती थी और इसीलिए मुझे फिल्म में उसे बेहतर तरीके से चित्रित करने में मदद मिली है। वेल डन बेबी की कहानी एक मॉडर्न कपल के इर्द-गिर्द घूमती है जिनका तलाक होने ही वाला था, लेकिन डेस्टिनी के पास उनके लिए एक सरप्राइज है। प्रियंका तंवर द्वारा निर्देशित और मर्मबांध गावाने द्वारा लिखित, वेल डन बेबी में पुष्कर जोग, अमृता खानविलकर और वंदना गुप्ते जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे।

कविता कौशिक ने बिग बॉस को बताया फेक

टीवी एक्ट्रेस कविता कौशिक अपने बिंदास अंदाज और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। कविता को बीते दिनों बिग बॉस 14 में देखा गया था। एक ओर जहां कविता का धाकड़ अंदाज फैन्स को पसंद आया था तो वहीं वो कई बार ट्रोल भी हुईं। ऐसे में अब कविता कौशिक ने बिग बॉस को फेक कहा है।

कुछ भी हो कंट्रोल किया जा सकता है

दरअसल कविता कौशिक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में कविता योग करती नजर आ रही थीं। वीडियो के साथ कैप्शन में कविता ने लिखा था- कुछ भी हो कंट्रोल किया जा सकता है।

फैन ने कही मन की बात

कविता के वीडियो पर कई फैन्स ने कमेंट किए। ऐसे ही एक फैन ने लिखा- 'आपको बिग बॉस नहीं करना चाहिए था। मुझे नहीं पता लेकिन इसने आपकी इमेज को बहुत नुकसान पहुंचाया। मैं आपका फैन हूं और आपके लिए जीवन में बहुत सारी अच्छी चीजों की कामना करता हूं।'

कविता ने दिया जवाब

फैन के कमेंट पर कविता ने जवाब देते हुए लिखा, 'ये ठीक है, वो कहते हैं कि न एक बार आपकी इमेज खराब हो जाए तो आप मुक्त हो जाते हैं। मैं उन लोगों को बिल्कुल भी तवज्जो नहीं देती जो किसी को फेक रियलिटी शो में देखकर प्यार या नफरत करते हैं।'

इंडिया को बहुत मिस कर रहीं सोनम कपूर

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सोनम कपूर इस समय लंदन में हैं और उन्होंने अपने लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट में बताया है कि वह भारत को काफी मिस कर रही हैं। दरअसल, सोनम कपूर ने अपने पति आनंद आहूजा के साथ एक तस्वीर शेयर कर लंबा पोस्ट लिखा है। सोनम कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। इसमें आप देख सकते हैं कि वह अपने पति आनंद आहूजा के साथ कहीं जाते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान सोनम कपूर मुस्कुरा रही हैं और आनंद आहूजा जीभ निकालकर हंस रहे हैं। इस तस्वीर के साथ ऐक्ट्रेस ने लिखा, 'मैं भारत को इतना मिस कर रही हूं और अपने परिवार और दोस्तों से मिलने अपने घर वापस आना चाहती हूं, लेकिन मैंने महसूस किया कि ऐसा करके मैं अपने नए घर को निराश करूंगी, जिसने मुझे मेरे खूबसूरत पति के साथ इतना कुछ दिया है। लंदन में खराब दिन दूसरी जगहों के अच्छे दिनों से अच्छा है।' सोनम कपूर ने 19वीं सदी के अमेरिकी निबंधकार, साहित्यकार, दर्शनशास्त्री और कवि वाल्डो इमर्सन का एक कोट भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'लंदन में सबसे अच्छी बात यह है कि यहां कई मतों और धर्मों के लोगों के रहने के बाद भी रोमांटिक व्यक्तियों के लिए जगह है। और यहां कवि, रहस्यवादी और नायक अपने समकक्षों से मुकाबला करने की उम्मीद कर सकते हैं।' सोनम कपूर के इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर कॉमेंट कर रहे हैं। वहीं, उनकी मां सुनीता कपूर और पापा अनिल कपूर ने कॉमेंट करते हुए लिखा, 'मिस यू सो मच।' इस पर सोनम कपूर ने लिखा, 'मैं भी आपको मिस कर रही हूं।' सोनम कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार साल 2019 में फिल्म 'द जोया फैक्टर' में आई थीं। अब सोनम कपूर डायरेक्टर शोम मखीजा की फिल्म 'ब्लाइंड' में दिखेंगे। यह दक्षिण कोरियाई फिल्म का रीमेक है।

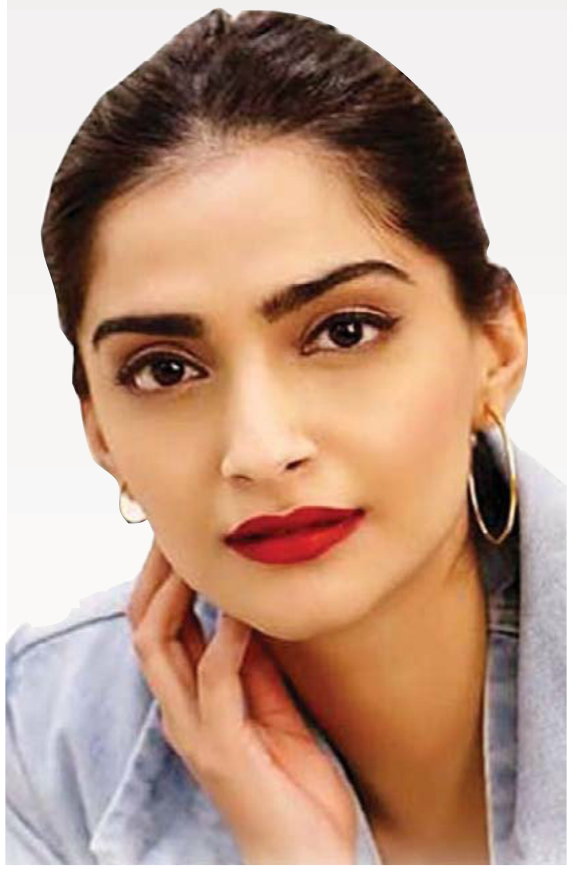

कोविड की दूसरी लहर के बीच 'थलाइवी' की रिलीज टली

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच कंगना रनौत अभिनीत फिल्म 'थलाइवी' की रिलीज टाल दी गई है। फिल्म को 23 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज किया जाना था। फिल्म के निर्माताओं द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''थलाइवा ट्रेलर के लिए आपने जो जबरदस्त प्रतिक्रिया और बिना शर्त प्यार दिखाया है, उसके लिए हम बेहद आभारी हैं।'' एक टीम के रूप में, हमने इस फिल्म को बनाने में बहुत त्याग किया है और कलाकारों और क्रू के प्रत्येक सदस्य के आभारी हैं, जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण लेकिन उल्लेखनीय यात्रा में हमारा समर्थन किया है। ''चूंकि फिल्म कई भाषाओं में बनाई गई है, हम इसे एक ही दिन सभी भाषाओं में रिलीज करना चाहेंगे।'' ''लेकिन कोविड-19 मामलों में खतरनाक वृद्धि, दिशानिर्देश और लॉकडाउन के बावजूद, भले ही हमारी फिल्म 23 अप्रैल को रिलीज के लिए तैयार है, लेकिन हम सरकार के नियमों का विस्तार करना चाहते हैं और थलाइवी के रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया है।'' बयान के अनुसार, ''हालांकि हम रिलीज की तारीख टाल रहे हैं, हमें विश्वास है कि हम आप सभी से और फिर भी उतना ही प्यार प्राप्त करेंगे। सुरक्षित रहें और हर किसी के समर्थन के लिए तत्पर रहें।''

आयुष्मान और रकुलप्रीत संग नजर आएंगी शेफाली शाह

पिछले काफी दिनों से आयुष्मान खुराना और रकुलप्रीत सिंह की आने वाली फिल्म 'डॉक्टर जी' काफी चर्चा में है। फिल्म में आयुष्मान और रकुलप्रीत डॉक्टर की भूमिका में नजर आएंगे। अब खबर है कि इस फिल्म की टीम के साथ ऐक्ट्रेस शेफाली शाह भी जुड़ गई हैं। हालांकि शेफाली के रोल के बारे में अभी ज्यादा नहीं बताया गया है मगर उनके किरदार का नाम डॉक्टर नंदिनी होगा।

किरदार को लेकर है एक्साइटमेंट

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शेफाली शाह ने बताया, 'मैं डॉक्टर जी में काम करने के लिए काफी उत्साहित हूं। फिल्म के राइटर्स सुमित, सौरभ, विशाल और अनुभूति ने बेहतरीन स्क्रिप्ट लिखी है। मैं अनुभूति, आयुष्मान और जंगली पिक्चर्स की शानदार टीम के साथ काम करने के लिए तैयारी हूं।'

अनुभूति कश्यप कर रही हैं डायरेक्ट

'डॉक्टर जी' एक कैंपस कॉमिडी ड्रामा फिल्म होगी जिसे अनुभूति कश्यप डायरेक्ट करने जा रही हैं। अनुभूति ने कहा, 'शेफाली ने हमारी टीम जॉइन कर ली है। वह अपने किरदारों को बेहद आसानी से निभा ले जाती हैं। मैं उनकी फैन हूं और मेरी पहली ही फिल्म में उनकी जैसी टैलंट की पावरहाउस ऐक्ट्रेस के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।'

ऐसे हुई शेफाली की कास्टिंग

जंगली पिक्चर्स की सीईओ अमृता पांडेय ने कहा, 'जब हमने डॉक्टर जी के लिए कास्टिंग की शुरूआत की तो पहले पहल जो नाम दिमाग में आया वह शेफाली का था। हमें पूरा भरोसा है कि हमने यह रोल बेहद बढ़िया तैयार किया है। अब हम उनके सेट पर आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह इस फिल्म को और खास बना दें।'

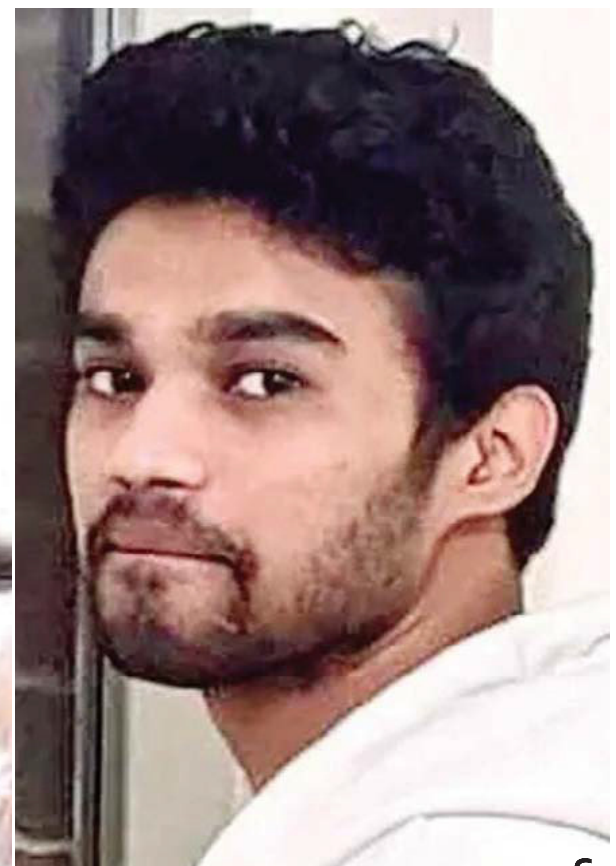

अनुष्का शर्मा की फिल्म में नजर आएंगे इरफान खान के बेटे बाबिल

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता इरफान खान बीते साल इस दुनिया को अलविदा कहकर चले गए थे। इरफान के बेटे बाबिल अपने पिता के निधन के बाद से सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए फोटो और वीडियो शेयर करते रहते हैं। बाबिल खान अपने पिता के बेहद करीब थे। वहीं अब इरफान खान की तरह उनके बेटे बाबिल ने भी एक्टिंग में अपना करियर बनाने का फैसला लिया है। बाबिल ने बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर ली है और उन्हें उनकी पहली फिल्म मिल गई है। बाबिल को अनुष्का शर्मा लॉन्च करने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक बाबिल के साथ इस फिल्म में तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में बताया था लेकिन अब उन्होंने ये स्टोरी डिलीट कर दी है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का नाम काला है। बाबिल ने अपनी डेब्यू फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी दोस्त के साथ तस्वीर शेयर की है। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- मैंने महसूस किया कि यह याद रखना आवश्यक है कि यदि आप अपने आपसे बहुत सावधान और ईमानदार नहीं रहेंगे हैं तो आपका आत्म-महत्व आपको डूब जाएगा। आप अपनी कहानी का हिस्सा हैं और वह कहानी हमेशा आपसे बड़ी रहेगी। चाहे आप एक्टर हो या नहीं। आपका दिन अच्छा रहे। हाल ही में बाबिल खान की फिल्मफेयर अवॉर्ड 2021 की वीडियो सामने आई थी। इस वीडियो में इरफान खान को अवॉर्ड मिलने पर बाबिल इमोशनल हो गए थे। वह स्टेज से नीचे उतरते समय रोने लगे थे तब एक्टर जयदीप अहलावत ने आकर बाबिल को संभाला था।

'बिग बुल' देखकर इमोशनल हुए अमिताभ बच्चन

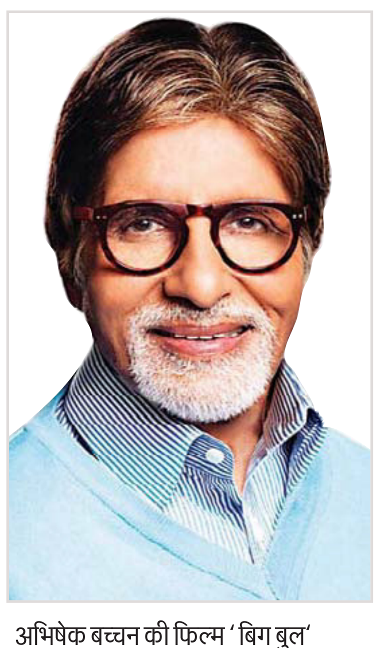

अभिषेक बच्चन की फिल्म 'बिग बुल' रिलीज हो चुकी है। जूनियर बच्चन के फैन्स फिल्म की काफी तारीफ कर रहे हैं। उनके पिता अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे की फिल्म का जिक्र अपने ब्लॉग में किया है। बिग बी ने तारीफ करते हुए बताया है कि कैसे अपने बच्चों का अच्छा काम देखकर उनका सीना चौड़ा हो जाता है। अभिषेक के डैड ने फिल्म का प्रीमियर देखा था, वहीं बताया कि उनकी मां रिलीज के पहले उनकी मूवीज नहीं देखतीं।

अच्छा करते देखना गर्व का पल

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा है, आह.कुछ भी हो बच्चे हमेशा सबसे सॉफ्ट स्पॉट होते हैं। और जब वे कुछ उल्लेखनीय करते हैं तो गर्व से छाती और फूल जाती है। एक पिता के लिए हमेशा अपनी 'प्रोग्रेस रिपोर्ट' को फलते-फूलते और अच्छा करते देखना गर्व का पल होता है.मैं दूसरे पिताओं से जरा भी अलग नहीं हूं। इस तरह की चीजों का जिक्र हमेशा भावनाएं और आंखों में आंसू ले आता है.

जया और ऐश ने नहीं देखा प्रीमियर

वहीं बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने बताया कि उनकी मां जया बच्चन ने प्रीमियर नहीं देखा था। क्योंकि वह इस मामले में थोड़ी अंधविश्वासी हैं। रिलीज के पहले वह अभिषेक बच्चन की फिल्में नहीं देखतीं। अभिषेक ने बताया था, 9 अप्रैल को उनका जन्मदिन है और यह उनका बर्थडे गिफ्ट है। वह तभी देखेंगी।

सान्या मल्होत्रा की 'पगलैट' को मिला फ्रांस का सबसे बड़ा सिविलियन अवॉर्ड

सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'पगलैट' को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा के लिए ये पल दोहरे जश्न का हैं। एक तो हाल ही में ओटीटी पर फिल्म 'पगलैट' की अपार सफलता और दूजी उन्हें नवाजा जा रहा हैं फ्रांस के सबसे बड़े सिविलियन अवार्ड से। इसके पहले यह सम्मान अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय, नंदिता दास, अनुराग कश्यप, कल्कि, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया के अलावा हॉलीवुड स्टार मेरील स्ट्रिप, लियोनार्डो डीकैप्रियो, ब्रूस विलिस को दिया जा चुका हैं। उनकी हालिया हिट 'पगलैट' की उल्लेखनीय सफलता के लिए, फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा को नाइट ऑफ द ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स के सम्मान से सम्मानित किया जा रहा हैं। गुनीत मोंगा को फ्रांसीसी अधिकारियों की ओर से 13 अप्रैल, 2021 को फ्रांस के भारतीय राजदूत द्वारा दिल्ली में एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। फिल्म सान्या मल्होत्रा लीड रोल में नजर आई थीं। हर किसी ने सान्या की एक्टिंग की काफी तारीफ की है। गुनीत मोंगा उन इंडियन प्रोड्यूसर में से एक हैं जिन्हें बाफ्टा अवार्ड में (फिल्म लंच बॉक्स) के लिए नॉमिनेशन मिल चुका हैं जो अपने आप मे बहुत बड़ी उपलब्धि हैं। वह सिख्या एंटरटेनमेंट की संस्थापक हैं, जो द लंचबॉक्स, गैंग्स ऑफ वासेपुर, मसान, जुबान जैसी फिल्मों के साथ कंटेंट से प्रेरित सिनेमा को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। फिल्म मेकर गुनीत मोंगा की बॉलीवुड ही नही बल्कि दुनियाभर में इनकी काबिलियत की चर्चा हैं। दमदार कहानी के जरिये कामयाब फिल्मे को परोसना, गुनीत मोंगा भलीभांति जानती हैं। दुनिया भर में भारतीय महिला विषय को बढ़ावा देंने के लिए गुनीत मोंगा ने हाल ही में 'इंडियन वीमेन राइजिंग' की सहस्थापना की।

रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस के हाथ लगी बाजी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। राहुल चाहर और क्रुणाल पांड्या की शानदार फिरकी गेंदबाजी के दम पर पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को 10 रन से हराकर सीजन की पहली जीत दर्ज की। केकेआर को आखिरी पांच ओवरों में जीत के लिए 31 रन चाहिए थे और छह विकेट बचे हुए थे, लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने उनके जबड़े से जीत को छीन लिया। राहुल ने चार ओवर में 27 रन देकर चार विकेट लिए तो वहीं क्रुणाल ने चार ओवर में सिर्फ 13 रन खर्चकर एक विकेट चटकाया। ट्रेंट बोल्ट ने भी आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी कर दो विकेट चटकाए। उन्होंने चार ओवर में 27 रन दिए।

इससे पहले आंद्रे रसेल ने आखिरी ओवरों में पांच विकेट लिए, जिससे मुंबई इंडियंस की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 152 रन पर ऑल आउट हो गई। नीतीश राणा और शुभमन गिल की पहले विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी के बाद भी केकेआर की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 142 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए शुभमन गिल और नीतीश राणा ने केकेआर को शानदार शुरूआत दिलाई। नीतीश राणा ने ट्रेंट बोल्ट की पारी की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। उन्होंने बोल्ट के अगले ओवर में की पहली गेंद पर छक्का और फिर चौका जड़ा। अगले ही ओवर में क्रुणाल पांड्या ने शाकिब अल हसन (09) को सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। उन्होंने इसके बाद अपनी ही गेंद पर रसेल का कैच टपका दिया लेकिन इस ओवर में सिर्फ एक रन खर्च किए। कृणाल के अगले ओवर में रसेल को एक और मौका मिला। इस बार बुमराह ने उनका आसान कैच टपका दिया। केकेआर को आखिरी दो ओवरों में जीत के लिए 19 रन चाहिए थे लेकिन क्रीज पर दिनेश कार्तिक और रसेल की मौजूदगी के बाद भी बुमराह ने सिर्फ चार रन दिए। बोल्ट ने आखिरी ओवर में लगातार दो गेंदों पर रसेल और पैट कमिंस को आउट कर मुंबई इंडियंस की जीत सुनिश्चित कर दी। रसेल ने 15 गेंद में नौ रन बनाए जबकि कमिंस खाता खोले बगैर आउट हुए। कार्तिक 11 गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे।

रोमांचक मुकाबले में इससे बेहतर नहीं कर सकता था : सैमसन

मुंबई, (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 रन से हरा दिया। पंजाब टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 221 रन बनाए। इसके जवाब में राजस्थान ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 217 रन ही बना सकी। आखिरी गेंद पर राजस्थान को जीत के लिए पांच रन बनाने थे, परंतु बल्लेबाजी कर रहे कप्तान संजू सैमसन ऐसा नहीं कर पाए और वे अर्शदीप के गेंद पर आउट हो गए। हालांकि वे बतौर कप्तान अपना पहला शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। हार के बाद संजू सैमसन ने कहा कि वह टीम को जीत दिला पाते तो बेहतर होता, लेकिन इस मुकाबले वे इससे बेहतर नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा, मैं नहीं समझता कि अखिरी गेंद पर इससे बेहतर शॉट खेल सकता था। मैने बेहतर टाइमिंग के साथ शॉट लगाए, मुझे लगा कि ये सिक्स जाएगा, लेकिन डीप में खड़े फील्डर को पार नहीं कर सका।

गेल 350 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज

चेन्नई, (एजेंसी)। पंजाब किंग्स इलेवन के बल्लेबाज क्रिस गेल 350 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 14वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले मैच में बेन स्टोक्स के पहले ओवर में छक्का लगाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेल ने 40 रन की पारी में 2 छक्के और 4 चौके लगाए। उन्होंने दूसरा छक्का राहुल तेवितया के गेंद पर लगाया। इसके साथ ही क्ढछ में उनके 351 छक्के हो गए हैं। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 250 छक्के भी नहीं लगा पाया है। इस लिस्ट में उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के एबी डिविलियर्स का नाम आता है, जिन्होंने 237 छक्के लगाए हैं। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी 216 छक्के के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

गेल के नाम ही एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ नाबाद 175 रन की पारी खेली थी। इनके बाद ब्रैंडन मैकलम ने पहले सीजन में एक पारी में 158 रन की नाबाद पारी खेली थी। एबी डिविलियर्स ने नाबाद 133 रन की पारी खेल कर तीसरे नंबर पर हैं।

गेल के नाम सबसे तेज शतक बनाने का भी रिकॉर्ड है। उन्होंने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ मैच में 30 गेंद पर शतक लगाया था। इसी मैच में उन्होंने नाबाद 175 रन की पारी खेली थी। वहीं युसूफ पठान ने साल 2010 में 37 गेंद पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था, जबकि डेविड मिलर ने 2013 में 38 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था।

अप्रत्याशित हार से सहवाग समेत तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स दंग

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच जो मैच खेला गया, उसकी चर्चा आने वाले काफी समय तक होती रहेगी। मैच शुरू होने से लेकर मैच खत्म होने से 5 ओवर पहले तक केकेआर ड्राइविंग सीट पर था और ऐसा लग रहा था कि बहुत आसानी से मैच अपने नाम कर लेगा, लेकिन इसके बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और टीम के गेंदबाजों ने जो किया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था।

केकेआर की इस अप्रत्याशित हार के बाद तमाम दिग्गज क्रिकेटरों ने हैरानी जताई है। कुछ को तो यही विश्वास नहीं हो रहा कि ऐसी स्थिति में पहुंचने के बाद केकेआर हार कैसे सकता है। एक समय केकेआर को 31 गेंद पर 31 रन चाहिए थे और उनके खाते में सात विकेट बचे थे, इसके बाद टीम 20 ओवर पूरे खेलती है, तीन विकेट बचाए भी रखती है और 10 रन से हार भी जाती है। दिनेश कार्तिक और आंद्रे रसेल जैसे फिनिशर जिस तरह से बल्लेबाजी करते दिखे, उससे केकेआर फैन्स जरूर निराश हुए होंगे। रसेल को इस दौरान दो बार जीवनदान भी मिला, लेकिन इन सब के बावजूद केकेआर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा। संजय मांजरेकर का मानना है कि केकेआर को यह मैच जीतना चाहिए था, वहीं वीरेंद्र सहवाग ने इसे केकेआर की लापरवाही का नतीजा बताया है। आकाश चोपड़ा ने इसे एकदम हैरान करने वाला रिजल्ट करार दिया, तो वहीं वेंकेटेश प्रसाद ने मुंबई इंडियंस की जीत का क्रेडिट रोहित की कप्तानी और गेंदबाजों को दिया।

कप्तानी के इस खास रिकॉर्ड में रोहित शर्मा ने की गौतम गंभीर की बराबरी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के 14वें सीजन में मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 10 रनों से जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस ने इस मैच में केकेआर के जबड़े से जीत छीनी। एक समय ऐसा लग रहा था केकेआर आसानी से यह मैच जीत लेगा, लेकिन इसके बाद राहुल चाहर ने अपने खाते के 4 ओवर में 4 विकेट निकालकर मुंबई इंडियंस की मैच में वापसी कराई और डेथ ओवरों में जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और क्रुणाल पांड्या की किफायती गेंदबाजी ने मुंबई इंडियंस इस सीजन की पहली जीत दिलाई। इस जीत के साथ रोहित शर्मा ने कप्तानी के एक खास रिकॉर्ड में केकेआर के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर की बराबरी कर ली। आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में रोहित शर्मा अब गंभीर की बराबरी पर पहुंच गए हैं। रोहित की कप्तानी में यह मुंबई इंडियंस की 71वीं आईपीएल जीत थी, वहीं गंभीर की कप्तानी में उनकी टीम (केकेआर और दिल्ली डेयरडेविल्स) भी 71 मैच जीत चुकी हैं।

आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत महेंद्र सिंह धोनी के नाम दर्ज है। धोनी चेन्नई सुपरकिंग्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की कप्तानी कर चुके हैं। धोनी ने अपनी कप्तानी में 110 मैच जीते हैं। धोनी ने 189 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, गंभीर ने 129 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जबकि रोहित शर्मा का कप्तान के तौर पर यह 118वां आईपीएल मैच था। आईपीएल कप्तानों के विनिंग पर्सेंटेज के मामले में रोहित टॉप पर हैं। रोहित की कप्तानी में उनकी टीम ने 60.16 फीसदी मैच जीते हैं। धोनी की कप्तानी में यह आंकड़ा 58.51 फीसदी का जबकि गंभीर की कप्तानी में 55.42 फीसदी है।

बेन स्टोक्स एक मैच खेलकर लीग से बाहर हुए

मुंबई, (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इंग्लिश ऑलराउंडर बेन स्टोक्स सिर्फ 1 मैच खेलकर टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में क्रिस गेल का कैच लेने के दौरान उंगली में चोट लगी थी। हालांकि, वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आए थे। मंगलवार को राजस्थान फ्रैंचाइजी ने उनके उंगली में फ्रैक्चर की पुष्टि की। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पहले ही चोट से जूझ रहे हैं। ब्रिटिश मीडिया में स्टोक्स के चोटिल होने की रिपोर्ट्र्स चलने के बाद राजस्थान ने इसकी पुष्टि की। फ्रेंचाइजी ने इन रिपोर्ट्स को सही बताते हुए कहा कि स्टोक्स अब इस सीजन में नहीं खेलेंगे। पूरी टीम उनका सम्मान करती है। वे टीम के अहम सदस्य हैं और उन्होंने टीम के लिए काफी कुछ किया है। उन्हें मैदान पर और मैदान से बाहर टीम को काफी सपोर्ट किया है। हम उनके जल्द ठीक होने का कामना करते हैं।

राजस्थान फ्रेंचाइजी ने कहा कि स्टोक्स फिलहाल टीम के साथ ही रुकना चाहते हैं और टीम को अपने अनुभव से मदद करना चाहते हैं। हम इस सीजन के लिए उनका रिप्लेसमेंट ढूंढ रहे हैं। स्टोक्स पंजाब के खिलाफ एक कैच छोड़ चुके थे। इसकी भरपाई करने के लिए वे गेल के कैच के दौरान लॉन्ग ऑन से दौड़ते हुए आए और डाइव कर कैच लिया। इसके तुरंत बाद स्टोक्स को बाएं हाथ में असहज महसूस हुआ। पर उन्होंने इसे दूर रखकर टीम के साथ जश्न मनाया।

बाबर आजम बने नंबर एक वनडे बल्लेबाज

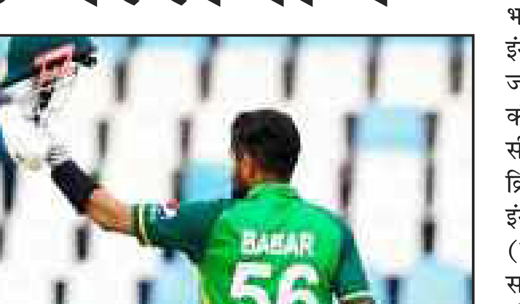

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए। 26 वर्षीय इस उदयमान बल्लेबाज ने विराट कोहली के सिर से ताज छीना है, जो 1258 दिन से पहले पायदान पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई सीरीज में दमदार खेल का बाबर को फायदा मिला। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी की ताजा रैंकिंग में उनके पास 865 अंक हैं, जो भारतीय कप्तान से पूरे आठ पॉइंट्स ज्यादा है। विराट कोहली अब दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं, जबकि टीम इंडिया के उप कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। बाबर आजम दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बनने वाले सिर्फ चौथे ही पाकिस्तानी हैं। उनसे पहले जहीर अब्बास (1983-84), जावेद मियांदाद (1988-89) और मोहम्मद यूसुफ ही इस मुकाम तक पहुंच पाए हैं। 2010 और 2012 अंडर-19 विश्व कप में धमाल मचाने वाले बाबर 2015 से पाकिस्तानी वनडे टीम का हिस्सा हैं।

दक्षिण अफ्रीकी सीरीज से पहले उनके पास 837 रेटिंग अंक थे, लेकिन पहले मैच में शानदार शतक (103 रन) उनकी रैंकिंग में जबरदस्त उछाल का बड़ा कारण रहा। फिर तीसरे और निर्णायक मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेली थी, जिसके बूते पाकिस्तान ने तीन मैच की वनडे सीरीज 2-1 से कब्जाई। न्यूजीलैंड के रोस टेलर चौथे पायदान पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच पांचवें क्रम पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में सभी को प्रभावित करने वाले पाकिस्तान के ओपनर फखर जमां सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। शिखर धवन 17वें पायदान पर हैं।

भारत ए का इंग्लैंड दौरा स्थगित अब 30 सदस्यीय संयुक्त टीम भेजेगा भारत

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत ए का इन गर्मियों में होने वाला इंग्लैंड का दौरा स्थगित कर दिया है, जबकि इस साल इंग्लैंड में पांच टेस्ट की सीरीज के लिए भारत की संयुक्त सीनियर टीम जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) में मंगलवार को इसे लेकर सहमति बनी। अगस्त-सितंबर में सीनियर टीम को पांच टेस्ट खेलने हैं। पहले ही योजना के अनुसार अब भारत की सीनियर और भारत ए टीमों के बीच फर्स्ट क्लास मुकाबला नहीं होगा। इसकी जगह सीनियर टीम से ही दो टीमें बनाकर दो प्रैक्टिस मैच खेले जाएंगे। कोविड-19 महामारी के बीच दौरे के दौरान सर्वश्रेष्ठ संभावित सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला किया गया है। ईसीबी ने मंगलवार को बयान में कहा, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड गर्मियों में पुरुष टीम का भारत ए दौरा स्थगित करने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा, पांच मैचों की इंश्योरेंस टेस्ट सीरीज की तैयारी और इसमें खेलने के लिए अब भारतीय पुरुष टीम अधिक खिलाड़ियों के साथ आएगी। भारतीय टीम दो चार दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेलेगी जो उसी के खिलाड़ियों की दो टीमें बनाकर खेला जाएगा। पहले जुलाई में भारत की सीनियर और ए टीम के बीच दो चार दिवसीय मुकाबलों के आयोजन का कार्यक्रम था। इन दो मैचों के लिए आयोजन स्थल की पुष्टि की जाएगी। इसका मतलब हुआ कि भारत की 30 सदस्यीय टीम से दो टीमें बनाकर अभ्यास मैचों का आयोजन होगा। ईसीबी ने साथ ही कहा कि न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा के बाद प्रथम श्रेणी काउंटी के खिलाड़ी उनकी पुरुष टीम के अभ्यास मैचों को रद्द करने पर सहमति बनी।

जूतों से रोहित शर्मा ने दिया प्लास्टिक मुक्त समंदर का संदेश

नई दिल्ली। रोहित शर्मा इस आईपीएल में मुंबई इंडियंस को लगातार तीसरा और कुल छठा खिताब दिलाना चाहते हैं। साथ ही साथ जब वह मैदान पर उतरते हैं तो एक खास मिशन भी अपने साथ लेकर चलते हैं। आरसीबी के खिलाफ उद्घाटन मैच में उन्होंने विलुप्त गैंडों की प्रजाति को बचाने की अपील की थी। अब अगले मैच में उन्होंने एक अलग संदेश दिया है। चेन्नई के चिदंबरम स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ रोहित ने अपने जूतों का इस्तेमाल जारी रखा। इस बार वह नीले रंग के पानी में टर्टल (बड़ा कछुआ) की तस्वीर वाले जूते पहने थे, जिससे वह समुद्रों को प्लास्टिक मुक्त करने का संदेश दे रहे थे। वन्यजीवों और पर्यावरण संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करने के लिए हिटमैन का

यह प्रयोग स्वागत योग्य है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले मैच में वह किस तस्वीर वाले जूते पहनते हैं। वह पहले भी समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण के मुद्दे को उठा चुके हैं। लगता है कि वह मिशन पर जुटे हुए हैं। रोहित ने आईपीएल के उद्घाटन मैच में एक सींग वाले गैंडे की तस्वीर वाले जूते पहनकर विलुप्त गैंडों की प्रजाति को बचाने की अपील की थी। मुंबई के इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने नौ अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच के बाद अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि दुनिया को बेहतर बनाना सभी की जिम्मेदारी है और सभी को इसके लिए काम करने की जरूरत है।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने बॉलर्स की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन का आगाज भले ही मुंबई इंडियंस ने हार के साथ किया हो, लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ टीम ने जिस तरह से जीत दर्ज की, उससे फैन्स काफी खुश होंगे। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने केकेआर के जबड़े से जीत छीनी और इसमें गेंदबाजों का बड़ा हाथ रहा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने 153 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए केकेआर को 10 रनों से हराया। एक समय केकेआर को 31 गेंद पर 31 रनों की जरूरत थी और उनके खाते में 7 विकेट बचे थे, लेकिन इसके बाद मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने पूरे मैच का नक्शा ही बदल दिया।

मैच के बाद कप्तान रोहित ने गेंदबाजों की जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही बल्लेबाजों को एक खास नसीहत भी दी। रोहित ने मैच के बाद कहा, जबर्दस्त वापसी, हर किसी ने गजब का जज्बा दिखाया। आप ऐसे मैच कम ही देखते हैं। इस मैच से काफी कॉन्फिडेंस मिलेगा। केकेआर ने पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी की थी। राहुल चाहर गेंदबाजी के लिए आए और हमारे लिए कुछ अहम विकेट झटके। क्रुणाल पांड्या ने कुछ कसे ओवर डाले, जो हमारे लिए अहम साबित हुए। यह पूरी तरह से टीम एफर्ट था और गेंदबाजों को क्रेडिट जाता है। रोहित ने आगे कहा, एक बल्लेबाज के तौर पर आपको आगे बढ़ना होगा। चेन्नई का ट्रेंड है कि आप पहली गेंद से बड़े शॉट नहीं खेलना शुरू कर सकते। जब बल्लेबाजी करने जाएं, तो आपको प्लान करके जाना होता है। हमने करीब 15-20 रन कम बनाए थे। हमें अंत में अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। हमें समझना होगा कि हमें डेथ ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, लेकिन मैं साथी खिलाड़ियों से कुछ छीनना नहीं चाहता हूं। सूर्यकुमार यादव अपनी फॉर्म को आगे ले जा रहे हैं। वह निडर होकर खेलता है। यह हमारे लिए पॉजिटिव बात है।

मालिक शाहरुख खान को मांगनी पड़ी माफी, आंद्रे रसेल भी शर्मिंदा

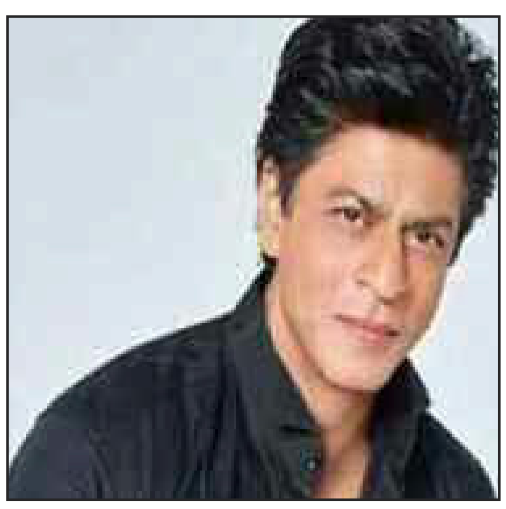

मुंबई, (एजेंसी)। राहुल चाहर और क्रुणाल पांड्या की शानदार फिरकी गेंदबाजी के दम पर पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को चेन्नई में केकेआर को 10 रन से हराया। यह मुंबई की सीजन में पहली जीत थी। कोलकाता नाइटराइडर्स को आखिरी पांच ओवरों में जीत के लिए 31 रन चाहिए थे और छह विकेट बचे हुए थे, लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने उनके जबड़े से जीत छीन ली। टीम के इस शर्मनाक प्रदर्शन से फ्रेंचाइजी मालिक और बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान काफी दुखी हैं। आम तौर पर हार या जीत के बाद शाहरुख हमेशा टीम का उत्साह बढ़ाने वाले ट्वीट करते रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने खिलाडियों के लचर प्रदर्शन के लिए फैंस से माफी मांगी है। किंग खान ने खुलकर अपनी निराशा जाहिर कर दी है। 15 गेंद में महज नौ रन बनाने वाले रसेल से जब शाहरुख खान के ट्वीट पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि निराश होना लाजिमी है। आगे उन्होंने जड़ा, यह सिर्फ दूसरा मैच था। अभी लंबा सफर तय करना है। हम अभी भी उत्साह और विश्वास से भरे हैं। हमने अच्छी क्रिकेट खेली है यह क्रिकेट का खेल है। मैंने सैकड़ों टी-20 मैच खेले हैं और मैंने ऐसे कई खेल देखे हैं, जहां टीम जीतते हुए अचानक हारने लगती है। आज रात ऐसा ही हुआ।

हरभजन सिंह ने 699 दिनों बाद मैच खेला

मुंबई, (एजेंसी)। भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने रविवार को कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए अपना पहला मैच खेला। केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया। टर्बनेटर ने 699 दिनों मैदान में खेलने उतरे। उन्होंने इससे पहले अपना आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल के फाइनल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 12 मई 2019 को खेला था। सनराइजर्स के खिलाफ मैच के बाद हरभजन सिंह ने मीडिया चैनलों को इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कई सवालों का जवाब दिया। हरभजन ने कहा कि ऐसा लगा रहा था जैसे अपना पहला मैच खेल रहा हूं। मैदान में वापसी कर अच्छा महसूस हो रहा है। वापस खेलना और अपने दोस्तों के साथ खेलकर बहुत अच्छा लग रहा हैं। मैंने जिंदगी में इस तरह की क्रिकेट खेली है। मैच में केवल एक ओवर फेंकने के सवाल पर हरभजन ने कहा कि ये सब टीम की रणनीति के अनुसार हुआ। उन्होंने आगे के मैचों में ज्यादा ओवर डालने की उम्मीद जताई। टर्बनेटर ने कहा, टीम जैसा चाहती हैं मैं उस तरह खेलने वाला प्लेयर हूं। अगर मुझे कम ओवर फेंकने को मिले तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे राइट हेंड के बैट्समैन को बॉलिंग करना अच्छा लगता है।

लेकिन अब क्रिकेट रणनीतिक तौर पर बदल गया है। ऑफ स्पिनर सीधे हाथ के बल्लेबाज को कम गेंदबाजी करते हैं। वहीं लेफ्ट आर्म बॉलर बायें हाथ के बल्लेबाज को कम गेंदबाजी करते हैं। ऑफ स्पिनर ने अपने फिटनेस का राज भी बताया है। कहा कि हम योग को क्रेडिट नहीं देते ये काफी गलत है। योग हमें फिट रखने में मदद करता है। अगर आप हर दिन योग करेंगे तो जवान दिखेंगे। ये आपकी मांसपेशियों को खोलने में मदद करता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए योग बेहद जरूरी है, चाहें में क्रिकेट खेलूं या नहीं। मैं अपनी डाइट पर भी ध्यान देता हूं।